महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 296 | उज्जैन, बुधवार 08 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

सिर्फ नतीजो पर ध्यान देंगे तो बदलाव नहीं आएगा, बदलाव पर ध्यान देंगे, तो नतीजे खुद मिलेंगे

न्यूज ब्रीफ

मणिपुर के बिष्णुपुर में बम धमाके में दो बच्चों की मौत, हिंसा के बाद चार जिलों में कर्फ्यू ; इंटरनेट बंद

नई दिल्ली/ जीएनएस। मणिपुर के बिष्णुपुर में बम हमले के बाद हुई हिंसा के चलते मणिपुर की घाटी के चार जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है। इस हमले में दो बच्चों की मौत हो गई थी। इससे क्रुद्ध स्थानीय लोगों के हिंसक विरोध-प्रदर्शन में तेल टैंकर जलाने से लेकर अस्थायी पुलिस चौकी तक नष्ट की गई है। मुख्यमंत्री ने इस हमले को बर्बर कृत्य करार दिया और लोगों को आश्वासन दिया कि अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। मणिपुर सरकार ने दो बच्चों की जान लेने वाले बम हमलों की जांच NIA को सौंपने का फैसला किया है। पुलिस के अनुसार यह घटना देर रात एक बजे हुई जब संदिग्ध उग्रवादियों ने मोइरांग ट्रोंग्लाओबी क्षेत्र में एक घर पर बम फेंका। इस हमले में 5 वर्षीय लड़के और 6 महीने की दुधमुंही बच्ची की मौत हो गई। दोनों बच्चे और उनकी मां अपने बेडरूम में सो रहे थे जब घर में बम विस्फोट किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सुबह विरोध प्रदर्शन किया और क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप के पास दो तेल टैंकर और एक ट्रक को आग लगा दी। उन्होंने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए और एक अस्थायी पुलिस चौकी को नष्ट कर दिया। सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। ट्रोंग्लाओबी के पास एक विस्फोटक उपकरण भी बरामद किया गया। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने कहा कि यह मानवता पर सीधा हमला है और मणिपुर में अर्जित शांति को बाधित करने का प्रयास है। ऐसे उग्रवादी कृत्यों को किसी भी परिस्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। मणिपुर सरकार हर नागरिक की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी कि शांति-व्यवस्था और स्थिरता को कोई खतरा नहीं पहुंचे।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में चूक स्वीकार्य नहीं, स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सोमवार को हुई चूक को बड़ी घटना मानते हुए विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को अपने कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंनें साफ कहा कि दिल्ली विधान सभा की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। गुप्ता ने सभी प्रवेश द्वारों पर हाइड्रोलिक रोड ब्लाकर्स लगाने, प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था को सुदृढ़ करने और परिसर के भीतर अधिक प्रभावी एवं त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में गृह मंत्रालय, गृह विभाग, आइबी, दिल्ली पुलिस, और पीडब्ल्यूडी आदि के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सुरक्षा को लेकर जवाबदेही भी जरूरी है। उन्होंने सीआरपीएफ. और दिल्ली पुलिस के बीच एक एकीकृत कमान (सिंगल प्वाइंट आफ अथारिटी) बनाने पर जोर दिया ताकि आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके। उन्होंने सभी एजेंसियों को रीयल-टाइम में सूचना साझा करने का निर्देश भी दिया। सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर सख्त नियंत्रण, बेहतर निगरानी और मजबूत बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए भी उन्होंने कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक गेट पर दिल्ली पुलिस/सीआरपीएफ के कम से कम दो प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती हो, जिन्हें आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं और उनकी जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय हों, ताकि समन्वित सतर्कता बनी रहे। अध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना उचित सुरक्षा जांच और अनुमति के किसी भी वाहन को किसी भी स्थिति में परिसर में प्रवेश न दिया जाए। त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए गुप्ता ने एक मोबाइल पेट्रोलिंग वाहन तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी लोगों और वाहनों की पूरी जांच अनिवार्य है।

सिंहस्थः 2028 के लिए प्रस्तावित सभी कार्य वर्ष 2027 की दीपावली तक आवश्यक रूप से किए जाएं पूर्ण : मुख्यमंत्री

सिंहस्थ के प्रबंधन में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग और जनसहभागिता को किया जाए प्रोत्साहित

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ- 2028 के लिए प्रस्तावित सभी कार्य वर्ष 2027 की दीपावली तक आवश्यक रूप से पूर्ण कर लिए जाएं। सिंहस्थ के सफल संचालन, विकास कार्यों की निगरानी और समीक्षा तथा सूचना शिक्षा-संचार गतिविधियों के लिए आवश्यक अधिकारियों-कर्मचारियों की संबंधित विभागों से तत्काल पूर्ति की जाए। सिंहस्थ के सफल संचालन के लिए पर्याप्त अधिकारियों-कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। सिंहस्थ से संबंधित विभिन्न दायित्वों के लिए सघन प्रशिक्षण की व्यवस्था आरंभ की जाए। अधोसंरचना से संबंधित सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश सिंहस्थ-2028 के आयोजन के लिए गठित मंत्री-मंडलीय समिति की मंगलवार को मंत्रालय में हुई 5वी बैठक में दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्री मंडलीय समिति की आगामी बैठक उज्जैन में की जाए। मंत्री मंडलीय समिति ने 2 हजार 923 करोड़ 84 लाख रूपए राशि के 22 कार्यों को स्वीकृति प्रदान की। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और श्री राजेन्द्र शुक्ल उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए हो रहे कार्यों की गुणवत्ता और बेहतर वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यों का थर्ड पार्टी ऑडिट आवश्यक रूप से कराया जाए। सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन के विभिन्न क्षेत्रों में बनने वाले भवनों का निर्माण इस प्रकार किया जाए जिससे वे सिंहस्थ-2028 के बाद होने वाले वार्षिक आयोजनों के लिए भी उपयोगी हों। इसी प्रकार सड़कों का निर्माण इस प्रकार किया जाए जिससे महाकाल लोक के अतिरिक्त उज्जैन के अन्य प्रमुख तीर्थों तक आवागमन अधिक सुगम हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दूरदराज से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा की दृष्टि से उज्जैन के 100 कि.मी. रेडियस में होम-स्टे, पार्किंग, जन सुविधाएं विकसित करने को प्राथमिकता दी जाए। सिंहस्थ के समस्त प्रबंधन में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग और जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षिप्रा नदी पर पैदल तीर्थ यात्रियों के लिए पृथक से ब्रिज बनाने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में गुदरी चौराहे से पान दरीबा होते हुए हरसिद्धि पाल तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, बम्बई वाले की धर्मशाला से दानी गेट चौराहे तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, देवास रोड से नानाखेड़ा तक एमआर 2 मार्ग का उन्नयनीकरण, शिंदे नर्सिंग होम से नीलगंगा मुख्य मार्ग चौड़ीकरण, गौतम मार्ग से तिलकेश्वर मार्ग चौड़ीकरण एवं सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, चौबीस खम्बा माता मंदिर से छोटा रूद्र सागर तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य, बदनावर देवास एनएचएआई रोड से सिकंदरी, दाउदखेड़ी तक मार्ग निर्माण, क्षिप्रा नदी के पूर्वी भाग पर सड़क निर्माण, जयसिंहपुरा प्रस्तावित अंडरपास के पास से नूतन स्कूल चार धाम मंदिर पार्किंग के पास तक सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, अंकपात चौराहा से खाकचौक चौराहा होते हुए मंगलनाथ तक मार्ग चौड़ीकरण, गदा पुलिया से रविशंकर नगर नरसिंह घाट तिराहे तक चौड़ीकरण, महाकाल चौराहे से गोपाल मंदिर होते हुए कमरी मार्ग चौराहा तक चौड़ीकरण एवं सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण तथा शनि मंदिर से मेठिया मार्ग पर नवीन पुल निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्री मंडलीय समिति ने 139.14 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की। यहां से सीसीटीवी, ड्रोन, डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से मेले की गतिविधियों की रियल टाइम मॉनीटरिंग होगी। एआई आधारित भीड़ प्रबंधन, मोबाइल ऐप के माध्यम से रूट, पार्किंग और सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। सायबर सुरक्षा, कचरा प्रबंधन, जल आपूर्ति और स्वच्छता पर भी यह केंद्र नजर रखेगा। बैठक में लगभग 30 करोड़ रूपए की लागत से मेला कंट्रोल रूम, मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब देवास गेट बस स्टैंड, इंटीग्रेटेड मल्टीमॉडल ट्रांसिट हब से लेकर उज्जैन रेल्वे स्टेशन तक स्काईवॉक निर्माण, सर्किट हाउस निर्माण, मेला क्षेत्र में स्थाई अधोसंरचना निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान की गई। मेला क्षेत्र में स्थाई अधोसंरचना निर्माण के अंतर्गत पक्की सड़क, डिवाइडर, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट, सर्विस रोड, जल प्रदाय व्यवस्था, सीवरेज व्यवस्था जैसे कार्य किए जाएंगे।

कौन हैं मेनका गुरुस्वामी? भारत की पहली LGBTQ+ सांसद, धारा 377 के फैसले से मिली पहचान

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेकर देश की पहली ओपनली क्वीर सांसद बनने का इतिहास रच दिया है। भारत की राजनीति में यह एक ऐतिहासिक क्षण है।

मेनका गुरुस्वामी तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर पश्चिम बंगाल से संसद पहुंची हैं। यह कदम भारतीय राजनीति में विविधता और प्रतिनिधित्व के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

सेक्शन 377 केस से मिली पहचान- मेनका गुरुस्वामी का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में तब आया जब उन्होंने 2018 में सुप्रीम कोर्ट में सेक्शन 377 के खिलाफ ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी।

इस फैसले में अदालत ने सहमति से बने समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था, जिससे भारत में [illegible] समुदाय को बड़ा कानूनी अधिकार मिला। शानदार शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय पहचान

मेनका गुरुस्वामी का जन्म हैदराबाद में हुआ और उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, हार्वर्ड लॉ स्कूल, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ाई की है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मानवाधिकार कानून की विशेषज्ञ मानी जाती हैं और कई वैश्विक संस्थाओं के साथ काम कर चुकी हैं।

LGBTQ+ अधिकारों की मजबूत आवाज- मेनका गुरुस्वामी लंबे समय से [illegible] अधिकारों के लिए सक्रिय रही हैं। उन्होंने न सिर्फ कोर्ट में बल्कि सार्वजनिक जीवन में भी इस समुदाय की आवाज को मजबूती दी है। उनका संसद में पहुंचना इस समुदाय के लिए प्रतिनिधित्व और स्वीकार्यता का बड़ा प्रतीक माना जा रहा है।

उनकी एंट्री यह दर्शाती है कि भारत में अब राजनीति भी अधिक समावेशी बन रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम आने वाले समय में [illegible] समुदाय के लिए नई नीतियों और अधिकारों का रास्ता खोल सकता है।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, ट्रैफिक नियम तोड़ने पर वाहन चालकों के केस अब नहीं होंगे निरस्त

लखनऊ/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश में अब नियमों का उल्लंघन कर वाहन चलाने वालों की खैर नहीं। इस संदर्भ तैयार किए गए अध्यादेश को अमली जामा पहनाने को लेकर कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।उत्तर प्रदेश दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन संशोधन) अध्यादेश लाएगी।

गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान पिछले वर्ष 20 नवंबर को राज्य सरकार को निर्देश दिए थे कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन करने पर दिए जाने वाले दंड को समाप्त नहीं किया जा सकता है। सरकार ने वर्ष 2023 में करीब 11 लाख मुकदमे और चालान को समाप्त करने का निर्णय लिया था। यह मामले वर्ष 2017 से 2021 के बीच के थे। इस मामले में उच्चतम न्यायालय के कड़े रुख के बाद अब सरकार नए सिरे से अध्यादेश लाएगी।

वर्तमान में यह व्यवस्था है कि अगर किसी ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत अगर किसी वाहन चालक का चालान किया जाता है और उस पर जुर्माना लगाया जाता है तो एक निश्चित समय के बाद जुर्माना न भरने पर स्वतः मामले समाप्त हो जाता था।

एअर इंडिया ने भी बढ़ाए टिकट के दाम

नई दिल्ली/ जीएनएस। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के कारण जेट फ्यूल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिसका असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर पड़ने वाला है। देश की प्रमुख एयरलाइन एअर इंडिया ने लागत के बढ़ते दबाव को देखते हुए अपने फ्यूल सरचार्ज में बदलाव का फैसला लिया है।

एयरलाइन के इस कदम के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों की कीमतों में इजाफा होना तय है, जिससे आने वाले दिनों में डोमेस्टिक फ्लाइट में किराया 299 रुपये लेकर 899 रुपये तक बढ़ जाएगा। वहीं, इंटरनेशनल टिकटों के दाम 2,200 रुपये लेकर 26,000 रुपये तक बढ़ जाएंगे।

8 अप्रैल से लागू होंगी नई दरें- दुनिया भर में जेट फ्यूल की कीमतों में भारी बढ़ोत्तरी के बाद एअर इंडिया की ओर से अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के रूट्स पर फ्यूल सरचार्ज में बदलाव किया है। यह बदलाव 8 अप्रैल, बुधवार से ज्यादात्तर रूट्स पर लागू हो जाएंगे। वहीं, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए, बदला हुआ सरचार्ज 10 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।एयरलाइन के अनुसार, टिकटों की कीमतों में बढ़ोत्तरी का फैसला पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा अपनाए गए एक संतुलित दृष्टिकोण के बाद लिया गया है। जिसमें घरेलू एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी को 25 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया था।

दूरी-आधारित ग्रिड सिस्टम लागू- एअर इंडिया की ओर से घरेलू उड़ानों के लिए एक तय सरचार्ज के बजाय दूरी-आधारित ग्रिड सिस्टम लागू किया है। वहीं, इंटरनेशनल उड़ानों के लिए एयरलाइन ने कीमतों में ज्यादा बदलाव किया है। क्योंकि इंटरनेशनल [illegible] की कीमतों पर कोई लिमिट नहीं है।

व्यापार-रक्षा से विज्ञान-प्रौद्योगिकी तक... भारत के विदेश सचिव का अमेरिका दौरा क्यों है खास?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पर 8 से 10 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन डीसी जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि यह यात्रा भारत-अमेरिका के पूर्ण द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा और प्रमुख क्षेत्रों में चल रहे सहयोग को आगे बढ़ाने का मौका देगी।

व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी पर सहयोग बढ़ाने पर जोर- यात्रा के दौरान मिसरी अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से व्यापार, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करेंगे। यह दौरा फरवरी 2026 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की वॉशिंगटन यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान का हिस्सा है। मिसरी की वॉशिंगटन में ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के साथ विमर्श का दौर बुधवार से ही शुरु होगा। ट्रंप प्रशासन की तरफ से भी इस वार्ता की तैयारी जोरों पर है। नई दिल्ली में अमेरिका राजदूत सर्जियो गोर को वहां विमर्श के लिए पहले ही बुला लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस यात्रा में कारोबारी समझौतों पर लंबित मुद्दों को साफ करने और द्विपक्षीय सहयोग को नई गति देने की कोशिश होगी। खासतौर पर पश्चिम एशिया के मौजूदा विवाद से दूर रहते हुए दोनों पक्ष रक्षा, व्यापार और टेक्नोलॉजी पर फोकस करेंगे।

पश्चिम एशिया संकट, ऊर्जा सुरक्षा पर भी होगी चर्चा- इस यात्रा से पहले अमेरिका के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल के हफ्तों में नई दिल्ली का दौरा किया था। मार्च 2026 में अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट क्रिस्टोफर लैंडाउ 3-6 मार्च को रायसीना डायलॉग में शामिल होने और द्विपक्षीय चर्चाओं के लिए दिल्ली आए थे।

वकील, उद्यमी, यूट्यूबर और IT प्रोफेशनल... चेन्नई की एग्मोर सीट पर चौतरफा मुकाबला

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इससे पहले सभी पार्टियां जोर अजमाइश में लगी हुई हैं। इन सबके बीच चेन्नई की एग्मोर (आरक्षित) विधानसभा सीट खासे चर्चा में है। दरअसल इस सीट पर एक या दो नहीं चौ-तरफा मुकाबला देखने को मिल रहा है। इस सीट पर सभी बड़ी पार्टियों ने पहली बार चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

कौन हैं नए चेहरे- द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की ओर से तमिलन प्रसन्ना मैदान में हैं तो, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने अभिषेक रंगासामी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम ने राज मोहन को चुना है।

इतना ही नहीं नाम तमिलर काची ने सरन्या को इस सीट से चुनावी मैदानमे उतारा है।

क्या हैं उम्मीदवारों का पेशा- प्रसन्ना पेशे से वकील हैं। साथ ही लंबे समय से पार्टी से जुड़े हुए हैं और टीवी बहसों में पार्टी प्रवक्ता के तौर पर एक जाना-पहचाना चेहरा भी हैं।रंगासामी लॉ में ग्रेजुएट हैं साथ ही एक उद्यमी हैं, रंगासामी करीब 18 सालों से पार्टी से जुड़े हुए हैं। इससे पहले, उन्होंने 2022 के स्थानीय निकाय चुनावों में चेन्नई के एक वार्ड से पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ा था।

मणिपुर में फिर बवाल, 2 बच्चों की मौत पर भड़की हिंसा; पुलिस फायरिंग-आगजनी, 5 जिलों में इंटरनेट बंद

नई दिल्ली/ जीएनएस। पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सोमवार रात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा रॉकेट और मिसाइलों से किए गए हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस घटना के बाद वहां भारी विरोध-प्रदर्शन हुआ है और इलाके में हिंसा भड़क उठी है। इसे देखते हुए सुरक्षा बलों को फायरिंग करनी पड़ी। सुरक्षा बलों की इस फायरिंग में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इसके बाद बवाल और बढ़ गया। इसे देखते हुए अधिकारियों ने बिष्णुपुर और उससे सटे पाँच जिलों – इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं पर अस्थायी रोक लगा दी है।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि विष्णुपुर जिले के मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में लोगों का गुस्सा तब भड़क गया, जब रात करीब 1 बजे संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंक दिया, जिसमें पाँच साल के एक लड़के और छह महीने की एक बच्ची की मौत हो गई। धमाका इतना ज़ोरदार था कि जिस कमरे में बच्चे और उनकी माँ सो रहे थे, वह पूरी तरह से तबाह हो गया; इस घटना में बच्चों की माँ भी घायल हो गईं।

इस घटना के विरोध में सुबह होते-होते बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और सड़कें जाम कर दीं। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने वहां पुलिस पिकेट को भी निशाना बनाया और पेट्रोल पंप के पास दो तेल टैंकरों और एक ट्रक सहित कई वाहनों में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने मोइरांग पुलिस थाने के बाहर टायरों में भी आग लगा दी। पुलिस की एक अस्थायी चौकी में भी तोड़फोड़ की गई। जैसे-जैसे तनाव बढ़ता गया, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक जब प्रदर्शनकारी बेकाबू होने लगे, तब उन्हें काबू में करने के लिए और उन्हें तितर बितर करने के लिए फायरिंग की गई, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इसके बाद स्थिति और गंभीर हो गई लेकिन पूरे इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने के बाद हालात पर काबू पा लिया गया।

जनसुनवाई में मिली राहतः पढ़ाई, इलाज और आजीविका के लिए तत्काल मदद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की विशेष उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार आयोजित इस जनसुनवाई में करीब 305 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कई प्रकरणों पर मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करते हुए जरूरतमंदों को राहत प्रदान की गई। जनसुनवाई के दौरान किसी को शिक्षा के लिए सहायता मिली तो किसी को इलाज हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया। कई हितग्राही अपने कार्य पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करने भी पहुंचे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि जिन प्रकरणों में तत्काल सहायता संभव थी, उनमें तुरंत कार्रवाई की गई, जबकि राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से जुड़े मामलों को निराकरण हेतु समय-सीमा तय कर संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है, ताकि समयसीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में एक दिव्यांग युवक शुभम साहू का मामला सामने आया, जिसकी मोटराइज्ड व्हीलचेयर खंडवा से इंदौर की बस यात्रा के दौरान गुम हो गई थी। तत्काल उसकी आवश्यकता को देखते हुए उसे मोटराइज्ड व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आरटीओ को निर्देश दिए कि घटना के संबंध में संबंधित बस की जांच भी कराई जाए।

इसी प्रकार एक वृद्ध महिला श्रीमती सविता शिंगले अपने पोता-पोती के साथ सहायता के लिए पहुंची। वृद्ध महिला ने बताया कि बेटे का निधन हो चुका है और बहू ने पुनर्विवाह कर लिया है। बच्चों की देख-रेख में कर रही हूँ। आय के साधन पर्याप्त नहीं होने से दिक्कत हो रही है। प्रशासन ने तत्काल भरण-पोषण की व्यवस्था करते हुए बच्चों का नाम मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में जोड़ने के निर्देश दिए। उनकी शिक्षा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। तात्कालिक सहायता के रूप में इन्हें 24 हजार रुपये की मदद भी दी गई। स्वास्थ्य संबंधी मामलों में भी संवेदनशीलता दिखाते हुए एक किडनी मरीज के इलाज हेतु आर्थिक सहायता दी गई है, जिसका उपचार जारी है और आगामी माह उसका ऑपरेशन प्रस्तावित है। इलाज के लिए सहायता मिलने पर उक्त मरीज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए जनसुनवाई में पहुँचा। इसी तरह जनसुनवाई में अनेक जरूरतमंदों को रोजगार के लिए भी आवश्यक मदद दी गई।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय सहित अन्य अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना और उनका यथासंभव निराकरण किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि प्रशासन का सतत प्रयास है कि प्रत्येक आवेदक की समस्या का समयबद्ध समाधान हो और जरूरतमंदों को शीघ्र राहत मिल सके।

बजट के बाद मैदान में महापौरः साईकृपा कॉलोनी पहुंचकर पेयजल समस्या का कराया त्वरित समाधान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में निगम बजट प्रस्तुत करने के तुरंत बाद महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने शहरवासियों की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए सीधे साईकृपा कॉलोनी का रुख किया। 7 अप्रैल 2026 को जोन क्रमांक 08, वार्ड 37 स्थित इस क्षेत्र में पहुंचकर उन्होंने बोरिंग में गंदा पानी आने की शिकायत का मौके पर निरीक्षण किया और अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

क्षेत्रवासियों द्वारा लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति न बने, इसके लिए नर्मदा लाइन से नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जरूरत पड़ने पर पानी के टैंकर भी उपलब्ध कराए जाएं।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती संगीता महेश जोशी, जोनल अधिकारी श्री प्रकाश नागर सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। महापौर के निर्देश पर नगर निगम द्वारा साईकृपा कॉलोनी में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत बोरिंग में गंदे पानी के स्रोत की पहचान कर तकनीकी समाधान किया जा रहा है।

साथ ही एहतियात के तौर पर सभी बोरिंग का क्लोरीनेशन कराया गया है और सीवरेज लाइनों की व्यापक सफाई भी कराई जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो। नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पानी की नियमित सैंपलिंग भी की जा रही है, जिससे जल गुणवत्ता पर लगातार निगरानी रखी जा सके।

निर्माणकर्ताओं पर होगी एफआईआर, निगरानी के लिए टीम गठित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अनाधिकृत कॉलोनी निर्माण पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अवैध कॉलोनियों के निर्माण या विकास की जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जाए और संबंधित निर्माणकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। आयुक्त ने सभी भवन अधिकारियों और भवन निरीक्षकों को अपने-अपने जोन क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी अवैध कॉलोनी निर्माण की जानकारी मिले, वहां तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे हटाया जाए और पंचनामा व जांच रिपोर्ट तैयार कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाए। अवैध कॉलोनियों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा विशेष निगरानी दल का गठन भी किया गया है। इस दल में क्षेत्रीय भवन अधिकारी, भवन निरीक्षक, झोनल अधिकारी, उपयंत्री, सहायक राजस्व अधिकारी, बिल कलेक्टर, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य दरोगा शामिल रहेंगे। सभी अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर सतत निगरानी रखते हुए किसी भी नए अवैध निर्माण की सूचना संबंधित विभागों को देने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक भवन अधिकारी और निरीक्षक को हर 15 दिन में अपने क्षेत्र का प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह प्रमाणित करना होगा कि उनके क्षेत्र में कोई अवैध कॉलोनी निर्माण नहीं हो रहा है। यदि प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया जाता है या क्षेत्र में अवैध निर्माण पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करते हुए उनके खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में उत्कृष्ट पुलिसिंग पर सम्मानः 18 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए साप्ताहिक सम्मान कार्यक्रम के तहत सोमवार को 18 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इन पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

इस दौरान बेहतर यातायात प्रबंधन, वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान सतर्कता, शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और फरार वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। थाना विजय नगर के पुलिसकर्मियों को एक मामले में चार आरोपियों की गिरफ्तारी में अहम भूमिका निभाने पर सराहा गया, वहीं यातायात पुलिस के जवानों को विभिन्न चौराहों पर प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया।

इसके अलावा अपराध शाखा की टीम को एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त अपराध श्री राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने सभी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

पुलिस कमिश्नर ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के सम्मान कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को प्रेरित करना और उनके मनोबल को बढ़ाना है, ताकि वे आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करते हुए आमजन की सेवा में तत्पर रहें।

अशासकीय/निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध, प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में भू-जल स्तर में गिरावट को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने अशासकीय/निजी नलकूप खनन पर आगामी 30 जून तक के लिए प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इंदौर के शहरी एवं सम्पूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र भी घोषित किया गया है।

यह प्रतिबंध कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (जलप्रदाय) नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर लगाया गया है। प्रतिवेदन में बताया गया कि इन्दौर शहर में भू-जल स्त्रोतों का अतिदोहन होने से पेयजल स्त्रोतों/नलकूपों का जलस्तर तेजी से गिर रहा है। गिरते भू-जल स्तर के कारण संपूर्ण शहर में आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट की संभावना की दृष्टिगत रखते हुए शहर में पेयजल से भिन्न अन्य प्रयोजन के लिये नवीन निजी नलकूपों के खनन पर प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक है।

शहर में पेयजल संकट की संभावनाओं को देखते हुए निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता है तो ग्रीष्म ऋतु में गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न होने की संभावना रहती है। पूर्व में भी जिले में भू-जल की गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी इन्दौर द्वारा अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर विगत 20 मार्च 2025 से 15 जून 2025 तक प्रतिबंध लगाया गया था। विगत वर्ष अनुसार ही आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए शहर में अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में प्रतिवेदन में अनुरोध किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने उक्त प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 तथा संशोधन अधिनियम 2002 (अधिनियम) में निहित प्रावधानों के तहत इन्दौर जिले के शहरी एवं ग्रामीण सम्पूर्ण क्षेत्रों को जल आभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। जिले में निरन्तर भू-जल की गिरावट की दृष्टिगत रखते हुए अधिनियम की धारा 6 (1) के अन्तर्गत सम्पूर्ण जिले में अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर 30 जून 2026 तक प्रतिबंध लगाया गया है।

ऐसी बोरिंग मशीन जो अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधित स्थानों पर प्रवेश करेगी अथवा नलकूप खनन (बोरिंग) का प्रयास करेगी, उक्त मशीनों को जप्त कर संबंधित पुलिस थाना क्षेत्र में एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार संबंधित राजस्व, पुलिस एवं नगर निगम अधिकारियों को होगा।

समस्त अपर कलेक्टर अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अपरिहार्य प्रकरणों में नगर निगम सीमा क्षेत्रों में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी नगर निगम इन्दौर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्रामीण इंदौर द्वारा प्रदत जांच प्रतिवेदन के आधार पर केवल रजिस्टर्ड एजेन्सियों द्वारा नवीन नलकूप खनन हेतु निर्धारित शर्तों के अधीन अनुज्ञा देने हेतु प्रधिकृत किया गया है। प्रतिबंध उल्लंघन करने पर दो हजार रुपये का जुर्माना तथा दो वर्ष तक के कारावास या दोनों से दण्डित करने का प्रावधान है। शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत किये जाने वाले नलकूप उत्खनन पर यह आदेश लागू नहीं होगा। इस हेतु उपरोक्तानुसार अनुज्ञा प्राप्त किया जाना आवश्यक नहीं होगा। नवीन खनित निजी नलकूप एवं अन्य विद्यमान निजी जल स्त्रोतों का आवश्यकता होने पर सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था हेतु अधिनियम की धारा-4 के अन्तर्गत अधिग्रहण किया जा सकेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील रहेगा।

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन के चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में वरिष्ठजनों के लिए Holistic-Well-Being Camp का आयोजन आयुष विभाग के सहयोग एवं आयुष राजपत्रित चिकित्साधिकारी संघ के साथ किया गया। शिविर में नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन शाखा इंदौर के चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल 2026 की थीम स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ खड़े रहें है। यह थीम लोगों, जानवरों, पौधों और ग्रह के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए वैज्ञानिक सहयोग और सबूत-आधारित निर्णयों पर ध्यान केंद्रित करती है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि राजशांति आशियाना वृद्धाश्रम एयरपोर्ट रोड इन्दौर के 43 महिला-पुरुष वरिष्ठजनों को दिनचर्या, ऋतुचर्या, पौष्टिक आहार-विहार, रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता आदि बीमारियों के कारणों पर चर्चा कर जागरूक किया गया। साथ ही बैठे-बैठे योग प्राणायाम करने का प्रशिक्षण, औषधीय गुण वाले पौधे जैसे- तुलसी, एलोवेरा, अजवायन आदि के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही वृद्धजनों को विभिन्न खेलों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना एवं पर्याप्त रात्रि निद्रा अच्छी तरह से लेने पर भी चर्चा की गई।

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन इंदौर जिला शाखा अध्यक्ष डॉ. सुरेश ढोलवे, सचिव डॉ. नागेंद्र प्रसाद जायसवाल, क्लिनिकल सचिव डॉ. सतीश अग्रवाल, डॉ. आर.एस. चौहान, डॉ. एस.डी. जाधव, डॉ. पी.के. जैन, डॉ. प्रकाशनी जोशी, डॉ. ज्योति बड़ोले ने स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श प्रदान किया।

टिगरिया बादशाह क्षेत्र में अवैध गोदाम पर छापा, 22 हजार लीटर सॉल्वेंट जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए टिगरिया बादशाह क्षेत्र के समीप एक गोदाम पर बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर एसडीएम सुश्री निधि वर्मा के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने छापा मारकर भारी मात्रा में बिना लाइसेंस के संग्रहित सॉल्वेंट बरामद किया। कार्रवाई के दौरान गोदाम में करीब 22 हजार लीटर डिस्टिल्ड सॉल्वेंट अवैध रूप से रखा पाया गया। इसके अलावा मौके से आयल पेंट मिक्सर और पेंट रिमूवर भी मिले। जांच में सामने आया कि गोदाम संचालक के पास इन ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण के लिए आवश्यक वैध लाइसेंस नहीं था। सबसे गंभीर बात यह रही कि गोदाम में किसी प्रकार के फायर सेफ्टी सिस्टम मौजूद नहीं थे। ऐसे में किसी भी दुर्घटना की स्थिति में आसपास के क्षेत्र में बड़ा हादसा हो सकता था और जनहानि की आशंका बनी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार श्री नारायण नांदेडा ने मौके पर ही गोदाम को सील करने की कार्रवाई की। इस दौरान तहसीलदार श्री ओंकार मनाग्रे, सहायक खाद्य अधिकारी श्री अविनाश जैन तथा बाणगंगा थाने का पुलिस बल भी मौजूद था। यह गोदाम खातीवाला टैंक निवासी अब्दुल कादिर पिता फखरुद्दीन का है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि अवैध रूप से ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

78 शिकायतों पर पुलिस कमिश्नर ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हर मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में इस बार भी बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने 7 अप्रैल 2026 को कमिश्नर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में स्वयं उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान पारिवारिक और घरेलू विवाद, आपसी मतभेद, पैसों के लेनदेन, फाइनेंशियल फ्रॉड, प्लॉट और जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी, महिला अपराध सहित पुलिस से संबंधित विभिन्न मामलों में कुल 78 आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदक से व्यक्तिगत रूप से संवाद करते हुए पुलिस कमिश्नर ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सभी ज़ोन के पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे और उन्होंने आवेदकों की शिकायतों को विस्तार से सुनते हुए आगे की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस कमिश्नर ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

इंदौर में 'हेलमेट पहनेंसुरक्षित रहें' अभियान जारीः 26 कार्यक्रमों में 3950 से अधिक हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाया जा रहा हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें अभियान लगातार प्रभावी रूप से जारी है। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर में अब तक 26 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3950 से अधिक जरूरतमंद वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए हैं।

7 अप्रैल 2026 को पलासिया चौराहे पर आयोजित अभियान के दौरान पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान के तहत ऐसे वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज पूर्ण थे। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पहले चालान की कार्रवाई की गई और इसके बाद उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट भी दिए गए। साथ ही, जो दोपहिया चालक स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर आए थे, उनकी पुलिस अधिकारियों द्वारा सराहना की गई और उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है, जिससे लोग हादसों की गंभीरता को समझें और नियमों का पालन करें। यह अभियान शहर में सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आया है।

इंदौर में 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान को मिल रहा जनसमर्थन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में बेहतर और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए चलाए जा रहे ट्रैफिक प्रहरी अभियान को शहरवासियों का अच्छा सहयोग मिल रहा है। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत अब तक 3270 जागरूक नागरिक पुलिस के साथ जुड़कर विभिन्न चौराहों पर यातायात व्यवस्था संभालने में योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम में 7 अप्रैल 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार ट्रैफिक प्रहरियों–हिमांशु कोल, हर्षित परमार, हर्ष माहेश्वरी और विक्रम राठौर–को शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

इंदौर में ड्रग तस्करी पर बड़ा एक्शनः खजराना पुलिस ने 10 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ आरोपी को दबोचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस कमिश्नरेट का सख्त अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में खजराना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवाओं को नशे की ओर धकेलने वाले एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 100 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में ड्रग्स तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री कुमार प्रतीक और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री अमरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में, सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मंडलोई के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम द्वारा लगातार खुफिया सूचना के आधार पर संदिग्धों पर नजर रखी जा रही थी।

7 अप्रैल को खजराना क्षेत्र में बैंक ऑफ बड़ौदा के पीछे स्कीम नंबर 134 में पुलिस टीम को एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ओसामा उर्फ ओसम अंसारी (24) निवासी गीता नगर, इंदौर बताया। आरोपी 12वीं तक पढ़ा है और मेडिकल स्टोर पर काम करता है। उसने कबूल किया कि वह खुद भी ड्रग्स का आदी है और नशे की लत पूरी करने तथा जल्दी पैसा कमाने के लालच में राजस्थान से सस्ते दामों पर एमडी ड्रग्स खरीदकर महंगे दामों में बेचता था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना खजराना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर ड्रग्स के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सत्ता की धमक नहीं, विनम्रता की चमक

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सादगी देखिए

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की संसद की गरिमा और लोकतंत्र के रक्षक, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को नीमच जिले के सिंगोली में एक अलग ही अंदाज में नजर आए। अवसर था सकल जैन समाज द्वारा आयोजित पंच कल्याणक महोत्सव का, जहाँ बिरला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सादगी की प्रतिमूर्ति कहे जाने वाले बिरला ने यहाँ न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया, बल्कि अपनी सहजता से स्थानीय प्रशासन और आम जन का मन भी मोह लिया।

मुनि श्री के चरणों में नवाया शीश- कार्यक्रम के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने योग प्रेरक 108 मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के दर्शन किए। उन्होंने महाराज श्री को श्रद्धापूर्वक श्रीफल भेंट किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पंडाल जय जिनेंद्र के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। मुनि श्री के साथ उनकी इस भेंट को अध्यात्म और राजनीति के संगम के रूप में देखा जा रहा है।

सुर्खियों में छाई स्कूकी अगुवाई वाली तस्वीर- इस दौरे के बीच सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है, जो अनुशासन और सम्मान की अनूठी मिसाल पेश करती है। नीमच के युवा और सक्रिय पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने प्रोटोकॉल और आत्मीयता के साथ लोकसभा अध्यक्ष की अगुवाई की।

वायरल फोटो में स्कू अंकित जायसवाल हाथ में गुलदस्ता लिए मुस्कुराते हुए बिरला का स्वागत कर रहे हैं। वहीं, देश के सर्वोच्च पदों में से एक पर आसीन होने के बावजूद ओम बिरला जिस सहजता और विनम्रता से अभिवादन स्वीकार कर रहे हैं, वह उनकी सादगी को बयां करने के लिए काफी है।

सादगी ऐसी कि हर कोई रह गया दंग- अक्सर वीवीआईपी दौरों में कड़ा अनुशासन और दूरी देखने को मिलती है, लेकिन ओम बिरला ने एक बार फिर साबित किया कि पद कितना भी बड़ा क्यों न हो, व्यवहार की कोमलता ही व्यक्ति को महान बनाती है। सिंगोली की सड़कों से लेकर महोत्सव के मंच तक, बिरला का व्यवहार किसी खास की जगह आम व्यक्ति जैसा रहा।

डिप्टी कलेक्टर श्री धार्वे एवं सुश्री भयडिया ने की जनसुनवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे एवं सुश्री श्रुति भयडिया ने 99 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में सरवानिया महाराज के अकील मंसूरी, बराडा के प्रभुदास बैरागी, कड़ी आंत्री के गोपाल गुर्जर, मनासा के विजय नारायण, सुवाखेडा की कलाबाई, नई आबादी दारू के दिलीप पुरोहित, कंजार्डा के मोहनलाल, मल्हारगढ़ के ज्ञानेश प्रजापति, दुरगपुरा की बदामीबाई बंजारा, जूना बाजार नीमच सिटी के जावेद खान, नीमच केंट के लोकेश जौहरी, दारू के गोविंद दास ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

इसी तरह दारू के नंदलाल, हुडकों कॉलोनी मनासा की भगवंतीबाई, बरूखेडा के लालाराम, लसुडिया की जीवन बाला, अल्हेड की हिराबाई, डूंगलावदा केक प्रकाश गुर्जर, सरवानिया महाराज के महेश सोनी, जन्नोद की नारायणी बाई, हरवार के रामनिवास, चेनपुरा की अन्नाकुंवर, अम्बेडकर कालोनी नीमच की गुड्डी बी, गणपति नगर नीमच के चुन्नीलाल माली, सुरेश चांवला, बगीचा नं.4 नीमच की फरीन, सेमली चंद्रावत की बाबुकुंवर, सरवानिया महाराज के राजकुमार, धानका मोहल्ला नीमच केंट के मदनसिह, सेमार्डा के राहूल, कनावटी के केशुराम, तलाऊ के रामलाल, सेमली चंद्रावत के मंगलसिह, गांधी नगर जीरन की खुशबु, रामपुरा के राहुल चम्पी के बद्रीलाल आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

राजस्व मंत्री ने इछावर सिविल अस्पताल में किया निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का शुभारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने इछावर सिविल हॉस्पिटल में मानसरोवर मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आमजन को शिविर का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। शिविर में महिला रोग, हड्डी रोग, शिशु रोग, नेत्र, ईएनटी सहित विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों का परीक्षण किया गया एवं परामर्श दिया गया। शिविर में कुल 384 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही ईसीजी, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच भी की गई। इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया, मानसरोवर ग्रुप के प्रो-चांसलर ईआर. गौरव तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

नेहरू बस स्टैंड का जर्जर बगीचा और यात्री प्रतीक्षालय बना उपेक्षा की मिसाल, नगरपालिका उदासीन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लेखक और सामाजिक चिंतक असअद अंसारी ने नगर पालिका परिषद मंदसौर से मांग की है कि मंदसौर नगर के बीचों बीच स्थित नेहरू बस स्टैंड के बगीचे का नागरिकों एवं यात्रियों की सुविधाओं हेतु पुनरुद्धार किया जाए।

श्री अंसारी ने कहा कि नेहरू पार्क में नेहरू जी की मूर्ति के सिवा सब कुछ उजड़ चुका है और वह पशुओं का विश्रामगृह बन चुका है।नेहरू पार्क का तुरन्त पुनर उद्धार किया जाए। उन्होंने यह आशंका व्यक्त की है कि इस बगीचे को उजाड़ने के पीछे नगरपालिका पदाधिकारियों की कोई दीर्घकालिक योजना तो नहीं के इस स्थान को 5सितारा होटल या और किसी प्रोजेक्ट में परिवर्तित कर दिया जाए। श्री अंसारी ने यह भी कहा कि बस स्टैंड पर जहां रोडवेज की बसों की टिकट बुकिंग की जाती थी वह कमरा बरसों से खाली पड़ा है जिसके दरवाज़े भी सड़ चुके हैं अगर इसको दुकान बना कर भी किराए पर दे दिया जाता तो लाखों रुपए का राजस्व नगर पालिका को मिल जाता। वहीं बस स्टैंड स्थित यात्रियों के बैठने के लिए पिलर के आसपास जो कुर्सियों नुमा आकृति बनाई गई थी उसकी लकड़ियों को भी लोग निकाल कर ले जा चुके है नगरपालिका जिसका 500 करोड़ का बजट है क्या उन कुर्सियों की मरम्मत भी नहीं करवा सकती। उन्होंने नगरपालिका प्रशासन और जिलाधीश महोदय से मांग की है की इस ओर ध्यान दे कर तत्काल कार्यवाही की जाए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष गूंजी सीमावर्ती सड़कों की पीड़ा, कटूंदा झालावाड़ मार्ग को बताया अत्यंत आवश्यकः विधायक धाकड़

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली तिलिसवा सड़क मार्ग स्थित वीरेंद्र कुमार सखलेचा सामुदायिक भवन में आयोजित लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का अभिनंदन कार्यक्रम में बेगूं विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ ने क्षेत्रीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर उद्बोधन देते हुए सीमावर्ती सड़कों की बदहाल स्थिति पर गहरी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने देश की सबसे बड़ी संसद के अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष भी इस समस्या को प्रमुखता से रखते हुए समाधान की मांग की।

विधायक धाकड़ ने काटूंदा से झालावाड़ सड़क मार्ग के निर्माण को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि इस मार्ग के अभाव में आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां वन विभाग से संबंधित बाधाएं आती हैं, उनका एकमुश्त समाधान किया जाए, ताकि सड़क निर्माण में आ रही सभी रुकावटें दूर हो सकें।

उन्होंने राजस्थान और मध्य प्रदेश की सीमाओं से जुड़े सड़क निर्माण के मुद्दे को भी गंभीरता से उठाते हुए कहा कि अब तक समन्वय के अभाव में स्थिति यह है कि राजस्थान में सड़क बनती है तो मध्य प्रदेश की ओर मार्ग जर्जर रहता है और मध्य प्रदेश में निर्माण होने पर राजस्थान की सड़क खराब हो जाती है। इस असंतुलन के कारण आवागमन में भारी दिक्कतें आती हैं और दुर्घटनाएं घटित होती रहती हैं।

धाकड़ ने मांग की कि दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सीमावर्ती सड़कों का एकसमान एवं सुदृढ़ निर्माण सुनिश्चित किया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके और विकास को गति मिल सके।

वैश्विक शांति के लिए अहिंसा के मार्ग पर चलना जरूरी है- श्री बिरला

जैन संतो के जीवन, तप, तपस्या से समाज को सद्प्रेरणा मिलती है- लोकसभा अध्यक्ष

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मंगलवार को नीमच जिले के सिंगोली में सकल जैन समाज द्वारा आयोजित पंच कल्याणक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर योग प्रेरक श्री 108 मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज को श्रीफल भेटकर उनका आर्शिवाद लिया।

इस मौके पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक बेगु श्री सुरेश धाकड़, विधायक भीलवाड़ा श्री अशोक कोठारी, श्री रतनलाल, गाडरी चित्तौडगढ, श्री राकेश जैन मडिया कोटा जि.प.सीईओ श्री अमन वैष्णव, एस.पी.श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्री बी.एस.कलेश एवं एसडीएम श्री पराग जैन व अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण तथा बडी संख्या में जैन समाज के पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित थी।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज की पुस्तक आयुर्वेद सूत्रकम एवं वैराग्य वाटिका का विमोचन किया और मुनिश्री को पुस्तक की प्रति भेट की।

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने अपने उदबोधन में कहा, कि आचार्य मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने योग का अहम संदेश दिया है। उन्होने जीवन शैली में बदलाव कर स्वस्थ्य एवं सुखी रहने का आध्यात्मिक मार्ग बताया है। आचार्य मुनिश्री जहां से भी गुजरते है, वहां आध्यात्मिक मार्ग का लाभ लोगो को मिल रहा है और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। उन्होने कहा, कि वैश्विक, शांति के लिए अंहिसा के मार्ग पर चलना जरूरी है। जैन संतो के जीवन, तप, तपस्या से समाजजनों को सद्प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम को सांसद श्री सुधीर गुप्ता एवं विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने भी संबोधित कया। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन किया गया और उन्हें स्मृति चिंह भेट किए गए।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के सिंगोली में अयोध्या नगरी कार्यक्रम स्थल पर पहुचने पर जिला प्रशासन की ओर से जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसपी श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम श्री पराग जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया ने लोक सभा अध्यक्ष की अगवानी की और उन्हें पुष्पगुच्छ भेटकर उनका स्वागत किया।

सिंगोली ब्राह्मण समाज ने किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल ब्राह्मण समाज सिंगोली द्वारा लोकसभा अध्यक्ष का किया गया स्वागत अभिनंदन नगर में चल रहे पंचकल्याणक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मंगलवार सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सिंगोली पधारे नगर आगमन पर सकल ब्राह्मण समाज सिंगोली द्वारा उनका तिलस्वां रोड विद्युत ग्रिड के सामने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का तिलक माला साफा पहना कर स्वागत अभिनंदन किया गया लोकसभा अध्यक्ष के साथ सांसद सुधीर गुप्ता और विधायक ओमप्रकाश सकलेचा थे आपका भी समाज द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया स्वागत अभिनंदन के इस कार्यक्रम के अवसर पर ब्राह्मण समाज के राष्टीय उप मंत्री नीमच जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा राष्टीय कार्यकारिणी सदस्य बाबूलाल शर्मा समाज के वरिष्ठ ओंकार लाल शर्मा, नगर इकाई ब्राह्मण समाज अध्यक्ष शंभुलाल तिवारी (पप्पु गौतम), डॉक्टर भूलेश्वर व्यास ,डॉक्टर हितेश व्यास, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रकाश चंद शर्मा ,नगर सभा के पूर्व अध्यक्ष पार्षद कमल शर्मा, , सचिव नंदकिशोर द्विवेदी कोषाध्यक्ष, रवि प्रकाश बिल्लू, रामस्वरूप शर्मा, मुकेश शर्मा, एल्डरमैन किशन शर्मा ,सत्यनारायण शर्मा, कन्हैया जंगम,केदार शर्मा ,शुभम शर्मा, आशुतोष शर्मा पिंटू जोशी आदि बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

श्रीराम जानकी मंदिर की भूमि पर कब्जा, कलेक्टर से सार्वजनिक नीलामी की मांग, जनसुनवाई में दिया आवेदन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की दलोदा तहसील के ग्राम जवासिया में मंदिर की कृषि भूमि पर अवैध कब्जे और एक स्थानीय व्यक्ति की दबंगई का मामला सामने आया है। इस संबंध में जनसुनवाई में जवासिया निवासी श्यामसुंदर पाटीदार ने कलेक्टर को एक आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई गई है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम जवासिया स्थित सर्वे क्रमांक 672, जिसका कुल रकबा 2.289 हेक्टेयर है, शासकीय अभिलेखों में श्रीराम जानकी मंदिर के नाम दर्ज है और इसके प्रबंधक स्वयं कलेक्टर हैं। श्यामसुंदर पाटीदार का आरोप है कि इस बेशकीमती कृषि भूमि पर गांव के ही एक रसूखदार व्यक्ति लालदास पिता देवरामदास बैरागी ने अपनी दबंगई के बल पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है और वह लंबे समय से इस भूमि का अनधिकृत उपयोग कर रहा है। शिकायतकर्ता श्यामसुंदर पाटीदार ने आवेदन के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया कि आरोपी लालदास एक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसका रिकॉर्ड स्थानीय भावगढ़ थाने में दर्ज है । ग्रामीण इतने भयभीत हैं कि कोई भी उसके विरुद्ध खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। स्थानीय पटवारी भी इस खौफ के कारण कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। श्यामसुंदर पाटीदार ने जिला प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस मंदिर की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर इसकी सार्वजनिक रूप से नीलामी की जाए, ताकि नीलामी से प्राप्त आय का उपयोग मंदिर की उचित देखरेख और विकास कार्य में हो सके। श्यामसुंदर पाटीदार ने तुरंत प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

जिला पंचायत सीईओ ने बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाने के लिए किया प्रेरित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत अहमदपुर के पीएम श्री शासकीय कन्या विद्यालय की बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बालिकाओं को वैक्सीन के महत्व और इसकी कमी से होने वाले सर्वाइकल कैंसर के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर स्कूल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए कैंप में सभी बालिकाओं ने अपना टीकाकरण कराया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती यादव ने बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए चॉकलेट भी वितरित कीं।

भैरूंदा में वैक्सीन लगवाने वाली बालिकाओं को प्रदान की गई नोटबुक- भैरूंदा के शासकीय संदीपनी स्कूल में एचपीवी का टीका लगवाने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पुस्तक मेले से दो-दो नोटबुक वितरित की गई। इसके साथ ही स्कूल द्वारा बालिकाओं को शीतल पेय(लस्सी) भी पिलवाई गई। पुस्तक मेले में आई अन्य बालिकाओं और उनके अभिभावकों को भी एचपीवी का टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया गया।

नारायणगढ़ थाना पुलिस ने आइशर गाड़ी से पकड़ा 10 क्विंटल डोडाचूरा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाना पुलिस ने आइशर गाड़ी से 10 क्विंटल से अधिक डोडाचूरा पकड़ा है। मौके से एक आरोपी की गिरफ्तारी दर्शाई गई है।

प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ़ कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में इंचार्ज थाना प्रभारी उनि रितेश डामोर के नेतृत्व में दिनांक 07 अप्रैल को सउनि बाबुलाल डामोर ने मुखबिर सुचना पर कार्यवाही करते हुए नारायणगढ से पिपलिया मंडी रोड, बरखेडा वीरपुरिया फंटा, सगस बावजी मंदिर के पास धरपकड़ की। यहां से आरोपी बुटा सिंह पिता बिल्लु सिंह मजबी सिक्ख उम्र 28 साल निवासी कोलापति ग्राम किशनगढ पक्खरवाड थाना निहाल सिंह वाला जिला मोगा पंजाब के कब्जे वाली आइशर गाडी के कब्जे से 42 प्लास्टिक के कट्टों मे भरा कुल 10 क्विंटल 02 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध थाना नारायणगढ पर 8/15,29 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नारायणगढ मय पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

कलेक्टर ने की जिले में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यो की समीक्षा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण विभागों की बैठक आयोजित कर जिले में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को जिले में चल रहे सभी निर्माण एवं विकास कार्यों में तेजी लाते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने मैदानी अमले को लक्ष्य देकर उसके अनुरूप कार्य को पूर्ण कराए। इसके साथ ही सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी संबंधित अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कार्यो की मॉनिटरिंग करें और कार्यों को जल्द से जल्द से पूर्ण कराएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी कार्य के लिए उतनी ही समय सीमा बताई जाए जितने समय मे वह कार्य पूर्ण हो सके। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आवागमन को सुगम बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग को सभी सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिक्रमण के कारण यदि कही सड़क निर्माण कार्य में दिक्कत आती है, तो वहां त्वरित कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाया जाए और निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को किसी तरह की परेशानी न हो।

सहकारी क्षैत्र में डिजिटल क्रांति अंतर्गत रतलाम जिले की समस्त प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाऐं हुई कम्प्युटराईज्ड

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय की महत्वाकांक्षी ''सहकार से समृद्धि'' योजना अंतर्गत भारत की सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं को कम्प्यूटराइज्ड किया जाकर ऑनलाईन मोड में कार्य करवाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रतलाम से संबद्ध समस्त 103 प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाऐं कम्प्यूटराईज्ड होकर ऑनलाइन मोड में कार्य करने लगी है। बैंक एवं संस्थाओं के कर्मचारियों द्वारा 10 चरणों में क्रमबद्ध तरीके से कार्य कर अपने सतत प्रयासों से यह उपलब्धि प्राप्त की गई है।

पैक्स कम्प्युटराईजेशन से किसानों को ऑनलाईन मोड में कार्य प्रारंभ करने पर सहकारी क्षैत्र से जुड़े लाखो किसानों को नगद राशि, खाद, बीज, दवाईयों का त्वरित वितरण किया जा सकेगा, किसानों द्वारा लिये गये ऋण की जानकारी तुरंत एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होगी। सहकारी समितियों के लेखो में शुद्धता एवं पारदर्शिता आयेगी। सहकारी संस्थाओं की क्षमता, दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ेगी। पैक्स कम्प्युटराईजेशन से समितियां अपने व्यवसाय में विविधिकरण कर जैसे जनऔषधी केन्द्र, पैट्रौल पंप, गैस एजेंसी, धर्म-कांटा, कृषि उत्पादों का प्रसंसकरण/मार्केटिंग जैसे बहुआयामी व्यापार कर लाभ अर्जन कर सकेगी। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सुगमता आयेगी इससे ग्रामीण समुदायों का विकास होगा और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में उपायुक्त सहकारिता श्री एन.एस.भाटी, तत्कालीन बैंक महाप्रबंधक श्री आलोक जैन, बैंक महाप्रबंधक श्री कृतज्ञ गुप्ता, प्रबंधक (प्रशासन) सुश्री आंचल श्रोत्रिय, मास्टर ट्रेनर श्री अरविन्द वत्स आदी।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने तत्परता से सुनी 69 आवेदकों की समस्याएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर एकता जायसवाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने 69 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जाए एवं कोई भी व्यक्ति अनावश्यक परेशान न हो।

जनसुनवाई के दौरान आए विभिन्न प्रकरणों में त्वरित निर्देश जारी किए गए। कोटड़ा बूजुर्ग निवासी भेरूलाल ने स्वयं की भूमि का कब्जा दिलवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर तहसीलदार गरोठ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जवासिया निवासी श्यामसुंदर ने कृषि भूमि को सार्वजनिक रूप से निलाम करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर तहसीलदार दलौदा को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। थडोद निवासी रामनारायण ने कृषि भूमि व कुंए पर जमा हो रहे गंदे पानी के निदान के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एसडीएम मल्हारगढ़ को जांच कर आवश्यक जानकारी तत्काल प्रदान करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जनसुनवाई में पीएम आवास योजना का लाभ दिलवाने, मंदिर की भूमि का सिमांकन करवाने, पेंशन राशि का भुगतान करवाने, अतिक्रमण हटवाने, कृषि भूमि पर आने जाने का रास्ता खुलवाने एवं शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त करने जैसे विविध प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए।

सम्पादकीय

वैचारिकता से मजबूत होती मानसिकता

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदोद्य उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं।

जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्टपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है।

पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। पंचतंत्रतथा हितोपदेश इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है।

अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं।

इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है।

स्वयं को जानकर ही निर्भय जीवन? जिया जा सकता है

मन को? बस में करना सबसे कठिन काम है। मन अच्छे से अच्छे भले मनुष्य को भी अमानुष बना देता है। मन से विवश हो इंसान कई बार गलत कदम उठा लेता है और ऐसा वह भयभीत होकर करता है। और सत्य यही है कि जहाँ ईश्वर पर विश्वास कम होता भय वहीं स्थान बनाता है। ईश्वर से डरकर की जाने वाली पूजा, उपवास और मंदिरों के दर्शन? भी अविश्वास की श्रेणी में ही आता है।

इंसान जब भी किसी चीज में मात खाता है, आकस्मिक कोई व्यथा जीवन में आती है। वह भगवान के पास दौड़ता है। यह दौड़ आकस्मिक आये व्यवधान या अशांति से मुक्ति पाने को लेकर होती है, ईश्वर को पाने की आकांक्षा से नहीं होती। पर, यदि खोज ईश्वर को पाने की हो तो सारे व्यवधान के दूर होने में वक्त? नहीं? लगता।

एक भक्त को कभी किसी से डरना नहीं चाहिए क्योंकि उसके पीठ पर सदैव ईश्वर का हाथ रहता है, इस सच्चाई को मानने से ही शांतिपूर्वक जिया जा सकेगा। लेकिन, इस मन का क्या करें? मन को बस में करना है तो ईश्वर को मानने की जगह ईश्वर को धारण करना होगा। ईश्वर को धारण करना सर्वाधिक आसान है। दरअसल, ईश्वर हमारे अंदर है, इस बात को अनुभव करना है, जानना है। हम उन्हें धारण किये हुये हैं, यथार्थ किये हुये हैं बस उस अनुभूति को पाना? है।

सहज योग के माध्यम से हम स्वयं को जानते हैं, मानते हैं, और बेहिसाब भय और नकारात्मकता से दूर हो जाते हैं। खुद को जानना आत्मसाक्षात्कार है - माध्यम है सहज? योग। सारे देवी देवता चाहे वो किसी भी धर्म के हो, हमारे अंदर विराजमान हैं। हमें अपने चैतन्य रुप में अनुभूति देते हैं, अपने सदुणों से हमें आशिर्वादित करते हैं? और हममें बदलाव आ जाता है। हम जान लेते हैं हम आत्मा मात्र हैं और स्वयं के गुरु भी।

परमपूज्य श्री माताजी के इन शब्दों से हममें और अधिक आत्मविश्वास आयेगा, जो उनके 7 मार्च 1981 के प्रवचन का अंश? है,

आपको बस खुद को स्वीकार करना होगा, बस इतना ही। सहज योग उतना ही सरल है।आप मेरे सामने एक सरल प्रश्न पूछें- माँ, क्या मैं आत्मा हूँ, क्या मैं अपना शिक्षक हूँ? आप अपने शिक्षक स्वयं हैं, लेकिन आपको पहले आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना होगा। इससे पहले, माँ आपकी शिक्षक है, लेकिन एक बार जब आप अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर लेते हैं तो आप स्वयं अपने शिक्षक होते हैं... अब मैं जो करता हूँ वह आपको अपने हृदय में गर्भ धारण करना है और आपके सहस्त्रार के माध्यम से आपको बेदाग जन्म देना है... पाप क्या कर सकते हैं क्या आप ईश्वर के प्रेम के सागर की तुलना में प्रतिबद्ध हैं?

जलवायु-अनुकूल खेती : जब खेतों ने मौसम से हारना छोड़ दिया

जब आसमान आग उगलने लगे, बादल कहर बनकर टूट पड़ें और धरती की दरारें किसान की हथेली से भी गहरी हो जाएं, तब केवल फसल नहीं, पूरा जीवन उजड़ जाता है। बीते वर्षों में भारत के करोड़ों किसानों ने यही दर्द झेला है। 2025 में करीब 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल क्षेत्र सूखा, बाढ़ और लू जैसी चरम मौसम घटनाओं से प्रभावित हुआ, जिससे फसलों को भारी नुकसान हुआ। जहां कभी हरियाली लहराती थी, वहां निराशा का सन्नाटा छा गया। लेकिन इसी अंधेरे से एक नई उम्मीद उभरी है। जलवायु-अनुकूल खेती (क्लाइमेट रेजिलिएंट फार्मिंग) अब केवल खेती का तरीका नहीं, बल्कि किसान के भविष्य की सबसे मजबूत ढाल बन चुकी है।

प्रकृति से लड़कर नहीं, उसके साथ चलकर ही खेती सुरक्षित बनती है। वर्षों तक किसान एक खेत में केवल एक फसल बोते रहे। मौसम बिगड़ा, तो पूरी मेहनत एक झटके में खत्म हो गई। अब खेतों में बदलाव दिख रहा है। गेहूं के साथ दालें, तिलहन, मोटे अनाज और सब्जियां भी उगाई जा रही हैं। यदि गर्मी गेहूं को नुकसान पहुंचाए, तो दूसरी फसलें किसान की कमाई बचा लेती हैं। इससे मिट्टी की ताकत बनी रहती है और उत्पादन भी स्थिर रहता है। ओडिशा और बिहार जैसे राज्यों में इस तरीके से फसल नुकसान काफी हद तक घटा है। अब किसान समझ रहे हैं– खेत में जितनी अधिक विविधता होगी, उतनी ही अधिक सुरक्षा भी मिलेगी।

मिट्टी बची रहे, तभी खेती की ताकत कायम रहेगी। वर्षों तक उपेक्षित यह मिट्टी रासायनिक उर्वरकों से कमजोर हो गई थी–नमी, उर्वरता और जीवन शक्ति खो गई थी। अब जलवायु-अनुकूल खेती ने इसे सुधारना शुरू किया है। मिट्टी स्वास्थ्य पत्रक ने किसानों को बताया कि किस खेत को किस पोषण की जरूरत है। गोबर, कम्पोस्ट, जैविक खाद और फसल अवशेषों से बनी खाद का प्रयोग तेजी से बढ़ा है। नतीजा साफ है–मिट्टी लंबे समय तक नमी रखती है, कम बारिश में भी जड़ें सूखी नहीं होतीं। जैविक तत्व मिट्टी को इतना मजबूत बनाते हैं कि तेज धूप, सूखा और अनियमित बारिश में भी फसल सुरक्षित रहती है। इसलिए आज मिट्टी केवल जमीन नहीं, यह खेत की जीवित शक्ति और किसान की सबसे बड़ी सुरक्षा बन चुकी है।

जहां खेती बारिश पर निर्भर हो, वहां पानी की हर बूंद अनमोल है। पहले एक हेक्टेयर खेत की सिंचाई में लगभग 10 हजार लीटर पानी लगता था, फिर भी फसल सुरक्षित नहीं रहती थी। अब ड्रिप और स्प्रिंकलर इरिगेशन ने यह तस्वीर बदल दी है–वही खेत अब केवल 4 हजार लीटर पानी में सींचे जा रहे हैं। जलवायु-अनुकूल खेती हर बूंद बचाने की सीख देती है। वर्षा जल संचयन, खेत तालाब, जलग्रहण और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों से सूखे क्षेत्रों में नई उम्मीद जगी है। किसान अब बारिश का पानी बहने नहीं देते, बल्कि कठिन दिनों के लिए सहेजते हैं। इससे पानी, बिजली और सिंचाई की लागत घटती है, और जहां पहले सूखा फसल नष्ट कर देता था, वहां अब फसल बचने की संभावना दोगुनी हो गई है।

बदलते मौसम के सामने अब खेती ने हार मानना छोड़ दिया है। ऐसे गेहूं तैयार हुए हैं जो कम पानी में भी मजबूत रहते हैं, ऐसे धान विकसित हुए हैं जो बाढ़ में भी नहीं डूबते, और ऐसी दालें सामने आई हैं जो तेज गर्मी व लू झेल सकती हैं। इसी ने खेती में नई क्रांति पैदा की है। 2014 से 2024 के बीच भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 2900 फसल किस्में विकसित की हैं, जिनमें से 2661 जलवायु-अनुकूल हैं। राष्ट्रीय जलवायु-अनुकूल कृषि नवाचार योजना के जरिए ये बीज गांव-गांव पहुंच रहे हैं। इनके साथ शून्य जुताई, फसल अवशेष प्रबंधन और सामुदायिक बीज भंडार जैसी व्यवस्थाएं भी जुड़ रही हैं। पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई गांवों में इन उपायों से फसल हानि 25 से 35 प्रतिशत तक घट चुकी है।

अब किसान अकेला नहीं, पूरा गांव मौसम की मार से लड़ रहा है। जलवायु-अनुकूल खेती की सबसे बड़ी ताकत यही है। देश के 151 जलवायु-संवेदनशील जिलों में 448 जलवायु-अनुकूल गांव बन चुके हैं। किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सहायता समूह और ग्राम समितियां मिलकर मौसम, बाजार, बीज और पानी की जानकारी बांट रही हैं। कृषि विज्ञान केंद्र में महिलाएं और युवा प्रशिक्षण लेकर पशुपालन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन और मत्स्यपालन जैसे काम भी कर रहे हैं। इससे आय के कई रास्ते खुल रहे हैं। एक फसल खराब हो जाए, तब भी दूसरा काम परिवार को संभाले रखता है। यही कारण है कि यह मॉडल केवल खेती नहीं, गांव की नई ताकत बन गया है।

अब असर खेतों में साफ दिखाई दे रहा है। जहां पहले मौसम की मार से फसलों का नुकसान काफी अधिक होता था, वहीं जलवायु-अनुकूल खेती अपनाने वाले क्षेत्रों में नुकसान काफी कम हो गया है। किसानों की आय 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ी है। मिट्टी फिर से उपजाऊ हो रही है, जलस्तर सुधर रहा है और खेतों में जैव विविधता लौट रही है। जिन खेतों से पक्षी और छोटे जीव गायब हो गए थे, वहां फिर जीवन दिखाई देने लगा है। मिट्टी की कार्बन रोकने की क्षमता भी बढ़ रही है, जिससे पर्यावरण को लाभ मिल रहा है। 651 जिलों में जलवायु जोखिम का अध्ययन हो चुका है और 310 जिलों के लिए विशेष योजनाएं बन चुकी हैं। यह केवल खेती की जीत नहीं, आने वाले कल की सुरक्षा है।

अब समय आ गया है कि जलवायु-अनुकूल खेती कुछ इलाकों तक नहीं, पूरे देश तक पहुंचे। हर खेत, हर गांव और हर किसान इसका हिस्सा बने। सरकार, कृषि वैज्ञानिक, किसान संगठन और स्थानीय संस्थाएं मिलकर काम करें, तो भारत खेती का नया वैश्विक मॉडल बन सकता है।

सबसे छोटे किसान तक बेहतर बीज, पानी बचाने की तकनीक, प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता पहुंचनी चाहिए। जिस दिन देश का हर खेत मौसम की मार के सामने मजबूती से खड़ा होगा, उस दिन किसान केवल सुरक्षित नहीं, समृद्ध भी होगा। आने वाले वर्षों में यही मॉडल भारत को खाद्य सुरक्षा, मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकसित भारत 2047 की दिशा में सबसे आगे ले जाएगा।

-प्रो. आरके जैन

केंद्रीय बलों में आईपीएस की तैनाती का सवाल

इन दिनों संसद की ओर से पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक चर्चा में है। इस विधेयक का उद्देश्य आईपीएस अधिकारियों की केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती का नियमितीकरण करना है। इसमें यह प्रविधान है कि पुलिस महानिरीक्षक स्तर के 50 प्रतिशत पद आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। इसी प्रकार अतिरिक्त महानिदेशक स्तर के न्यूनतम 67 प्रतिशत पद आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। जहां तक विशेष महानिदेशक एवं महानिदेशक के पदों का प्रश्न है, समस्त अर्थात सौ प्रतिशत पद आईपीएस अधिकारियों के लिए प्रतिनियुक्ति हेतु आरक्षित रहेंगे।

चूंकि उप-महानिरीक्षक एवं कनिष्ठ स्तर के पदों के संबंध में विधेयक मौन है, इसलिए यही लगता है कि इन पदों के संबंध में नियम पूर्व अनुसार ही लागू रहेंगे। प्रस्तावित नियम पांच प्रकार के केंद्रीय बलों क्रमशः सीआरपीएफ, बीएसएफ, आइटीबीपी, सीआइएसएफ और सशस्त्र सीमा बल पर लागू होंगे।

दशकों से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में आईपीएस अधिकारी तैनात रहकर अपना योगदान देते आ रहे हैं। केंद्रीय बलों की मुख्य भूमिका आंतरिक सुरक्षा, सीमा सुरक्षा और औद्योगिक सुरक्षा है। ये बल राज्य पुलिस बलों की सहायता के लिए तैनात किए जाते हैं। केंद्र और राज्यों के बलों में बेहतर समन्वय के लिए जरूरी है कि केंद्रीय बलों में आईपीएस अधिकारी तैनात रहें।

भारत में संघीय प्रणाली लागू है। संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत अखिल भारतीय सेवाओं का प्रविधान इसी उद्देश्य से किया गया था ताकि केंद्र और राज्यों में वे अपनी जिम्मेदारियों का निष्पादन कर सकें। केंद्रीय सशस्त्र बल माओवाद प्रभावित इलाकों, जम्मू कश्मीर और उत्तर-पूर्वी राज्यों में आतंकवाद से निपटने के लिए राज्यों की सहायता के लिए तैनात हैं।

उक्त विधेयक को सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के संबंध में मई 2025 में दिए गए निर्णय के खिलाफ समझा जा रहा है। मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को ऑर्गेनाइज्ड ग्रुप ए सर्विसेज मानते हुए कुछ वित्तीय लाभ देने के आदेश दिए थे और केंद्रीय बलों के अधिकारियों की पदोन्नति के अवसरों को बढ़ाने के लिए पुलिस महानिरीक्षक स्तर तक प्रतिनियुक्ति को आगामी दो साल में धीरे-धीरे कम करने का कहा था।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के आधार पर केंद्रीय बलों के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने यह मांग रख दी कि उनकी सर्विसेज संगठित प्रकार की होने से प्रतिनियुक्ति को समाप्त किया जाए और उन्हीं के अधिकारी उनके बलों को नेतृत्व प्रदान करें। केंद्रीय बलों के कुछ अधिकारियों ने भी प्रतिनियुक्ति के खिलाफ मोर्चा सा खोल दिया। यह किसी भी अनुशासित बल को शोभा नहीं देता।

सुप्रीम कोर्ट ने 2025 के अपने आदेश में कहा था कि केंद्रीय बलों के काडर की समीक्षा की जाए और उनके भर्ती नियमों और सेवा शर्तों में आवश्यक बदलाव किया जाए। इस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

-आरके विज

युद्ध के माहौल में विश्व शांति का शंखनाद है विश्व णमोकार दिवस

विश्व इतिहास के इस संक्रमणकाल में, जब मानवता युद्ध, हिंसा, आतंक, तनाव और असहिष्णुता के बोझ तले कराह रही है, ऐसे समय में 9 अप्रैल 2026 को मनाया जाने वाला विश्व णमोकार मंत्र दिवस एक अद्वितीय आध्यात्मिक ऊर्जा-विस्फोट के रूप में सामने आ रहा है। यह दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि दिव्य चेतना के जागरण का ऐसा अवसर है, जिसमें सामूहिक मंत्रोच्चारण से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियां पूरे विश्व को आलोकित करने वाली हैं। ÷एक विश्व, एक दिन, एक मंत्र÷-इस संकल्प के साथ प्रातः जब संपूर्ण पृथ्वी पर एक साथ णमोकार महामंत्र का उच्चारण होगा, तब यह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि एक दिव्य ऊर्जा तरंग का निर्माण होगा। आध्यात्मिक विज्ञान के अनुसार, जब लाखों-करोड़ों लोग एक ही समय पर एक ही पवित्र मंत्र का उच्चारण करते हैं, तो उससे उत्पन्न स्पंदन वातावरण को शुद्ध करते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का क्षय करते हैं, सकारात्मक चेतना का तीव्र प्रसार करते हैं और शांति एवं अहिंसा का शंखनाद करते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा 'संकल्प शक्ति' के रूप में कार्य करती है, जो असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखती है।

यह विलक्षण दिवस हजारों मंदिरों एवं अन्य स्थलों में जातीय बंधनों को तोड़कर सभी समुदाय, जाति, वर्ग के लोगों को सम्मिलित होने का अवसर देकर एक प्रेरणादीप बनेगा, जहां मैत्री के फूल खिलेंगे, शांति एवं सद्भावना की ज्योति रश्मियां जगमगायेगी। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण, सम्यक्-चरित्र, सम्यक्-दृष्टि का अभाव अखरता है। सिद्ध एवं चमत्कारी णमोकार महामंत्र सम्यक्-आचरण को उद्घाटित करने वाला किसी धर्म विशेष का नहीं है, यह एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वदैशिक मंत्र है, जिसका उच्चारण कर व्यक्ति शुद्ध आचरण एवं स्वस्थ जीवनशैली को आकार देते हुए शांति, अहिंसा, अयुद्ध, सह-जीवन का साकार कर सकता है। 'णमोकार महामंत्र' के सामूहिक उच्चारण के माध्यम से दुनिया भर के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है।

यह आयोजन विश्व शांति, आत्मशांति, सद्भावना और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन-जीतो संस्था के द्वारा कराया जा रहा है। इस विराट आयोजन में 180 से अधिक देशों के लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे। विश्वभर में 100 से अधिक मेगा इवेंट्स और 6000 से अधिक मंदिरों एवं स्थलों पर यह सामूहिक जाप होगा। दिल्ली के मुख्य समारोह में भारत के 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति इस आयोजन को वैश्विक पहचान प्रदान करेगी। इस आयोजन से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियों का वर्णन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि अनुभव का विषय भी है। यह मंत्र आत्मा के गहनतम स्तर को स्पर्श करता है, जहां से चेतना की शुद्ध धारा प्रवाहित होती है। ऐसा माना जाता है कि इस सामूहिक जाप के दौरान- मानसिक शांति और स्थिरता का अद्भुत अनुभव होता है, जिससे तनाव, भय और अवसाद स्वतः क्षीण होते हैं। आभामंडल की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति की ऊर्जा सकारात्मक और प्रभावशाली बनती है। रोगों में राहत और स्वास्थ्य में सुधार के अनेक अनुभव सामने आते हैं, क्योंकि सकारात्मक कंपन शरीर की कोशिकाओं को संतुलित करते हैं। संकल्प सिद्धि की शक्ति बढ़ती है अर्थात् जो शुभ संकल्प किए जाते हैं, वे पूर्ण होने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होते हैं। कर्म निर्जरा (कर्मों का क्षय) की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति संभव होती है।

दुनिया में अनेक मंत्र हैं, किंतु दो मंत्र विशेष रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं गायत्री मंत्र और णमोकार महामंत्र। णमोकार मंत्र न केवल जैन धर्म का मूल मंत्र है, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि और चेतना के उत्कर्ष का सार्वभौमिक सूत्र है। इसकी शक्ति अनंत और अक्षय मानी जाती है। इसमें किसी व्यक्ति का नहीं, किंतु संपूर्ण रूप से विकसित और विकासमान विशुद्ध आत्मस्वरूप का ही दर्शन, स्मरण, चिंतन, ध्यान एवं अनुभव किया जाता है। लौकिक मंत्र आदि सिर्फ लौकिक लाभ पहुँचाते हैं, किंतु लोकोत्तर मंत्र लौकिक और लोकोत्तर दोनों कार्य सिद्ध करते हैं। इसलिए णमोकार मंत्र सर्वकार्य सिद्धिकारक लोकोत्तर मंत्र माना जाता है, सब पापों का नाश करने वाला है, यह अद्भुत शांति का कारक है। यह संसार में सबसे उत्तम मंगल को घटित करने वाला सिद्ध मंत्र है। णमोकार-स्मरण से अनेक लोगों के रोग, दरिद्रता, भय, तनाव, अशांति, विपत्तियाँ दूर होने की अनुभव सिद्ध घटनाएँ सुनी जाती हैं। मन चाहे काम आसानी से बन जाने के अनुभव भी सुने हैं।

णमोकार महामंत्र के जाप एवं साधना से उत्पन्न ऊर्जा एक पाथेय है जीवनशैली को बदलने का, पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति जागरूक होने का, शांति एवं अहिंसक जीवनशैली का, शरीर, मन, आत्मा एवं प्रकृति के प्रति सचेत रहने का। मूल्यों का सम्बन्ध तो 'जियो और जीने दो' जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है, जो णमोकार महामंत्र की सार्थक निष्पत्ति है। इस मंत्र के प्रथम पाँच पदों में 35 अक्षर और शेष दो पदों में 33 अक्षर हैं। इस तरह कुल 68 अक्षरों का यह महामंत्र समस्त कार्यों को सिद्ध करने वाला व कल्याणकारी अनादि सिद्ध मंत्र है। इसकी आराधना करने वाला स्वर्ग यानी मोक्ष- संसारबंधनों मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। यह मन्त्र एक भावना है, एक इच्छा है, एक कामना है जो बार बार दोहराई जाती है ताकि वैसा हो जाए, इस दृष्टि में उन्नत विश्व संरचना, हिंसा एवं युद्ध मुक्ति के लिये यह कारगर है। सह-अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है और अहिंसा को फलित करने के लिये णमोकार महामंत्र अचूक उपक्रम है, अनुष्ठान है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बचाए रखने की कोशिशें व्यर्थ और अन्ततः घातक होती हैं।

भगवान् महावीर का संदेश कि ÷सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय÷-इस मंत्र की मूल भावना है। जब यह मंत्र करोड़ों कंठों से एक साथ गूंजता है, तो यह केवल शब्द नहीं रहता, बल्कि करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की वैश्विक घोषणा बन जाता है। आचार्य उमास्वाति की उक्ति ÷परस्परोपग्रहो जीवानाम्÷ इस सामूहिक साधना के माध्यम से जीवंत हो उठती है। गतवर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने उद्बोधन में इस मंत्र को ÷आंतरिक क्रांति का माध्यम÷ बताया था। उन्होंने कहा कि यह मंत्र केवल जप नहीं, बल्कि जीवन को बदलने की शक्ति है- एक ऐसा साधन जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और समाज को एक सूत्र में पिरोता है। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और आतंक के संकट से जूझ रहा है, तब यह आयोजन एक ÷आध्यात्मिक ऊर्जा-संकल्प÷ बन सकता है। यह वह क्षण होगा, जब मानवता अपनी सामूहिक चेतना से शांति का आह्वान करेगी और णमोकार मंत्र की दिव्य तरंगें विश्व को एक नई दिशा देंगी।

निश्चित तौर पर यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है। यदि हम इस मंत्र की शक्ति को समझकर उसे अपने जीवन में उतारें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन, बल्कि सम्पूर्ण विश्व शांति, समरसता, अहिंसा, अयुद्ध और आनंद की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यही इस मंत्र की चमत्कारी शक्ति है, यही इसकी सिद्धि है, और यही इसका वैश्विक संदेश है। णमोकार महामंत्र व्यक्ति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए णमोकार महामंत्र से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता। इस दृष्टि से विश्व णमोकार मंत्र दिवस सम्पूर्ण विश्व को आत्म-कल्याण से विश्व-कल्याण की ताकत और प्रासंगिकता से अवगत कराने का सशक्त माध्यम है। आत्मविशुद्धि और मुक्ति के साथ-साथ जीवन को सुखद, समृद्ध, निरोगी और प्रसन्न बनाने के लिए नियमित रूप से णमोकार महामंत्र का जाप करना चाहिए। णमोकार महामंत्र हमें जीवन की समस्याओं, कठिनाइयों, चिंताओं, बाधाओं से पार पहुंचाने में सबसे बड़ा आत्म-सहायक है। यह मंगल भावनाओं से भरा मंत्र जगत में मांगल्य की वृद्धि करता है। मांगल्य की भावना को बढ़ाता है। इस मंत्र के पीछे अनंत साधकों की साधना है। इसलिए इस मंत्र का नियमित जाप करने से सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं।

-ललित गर्ग

संबंध सुधारने को तैयार बांग्लादेश

विश्व राजनीति के भौगोलिक पक्ष को देखा जाए तो ज्ञात होता है कि पड़ोसी देशों से संबंधों में लगातार मधुरता और समन्वय बनाए रखना मुश्किल होता है, वह चाहे अमेरिकी महाद्वीप में अमेरिका और उसके पड़ोसी देशों के बीच हो या फिर दक्षिण एशिया में भारत और उसके पड़ोसियों के बीच। मुश्किल तब आती है, जब तनाव ऐसे पड़ोसियों के साथ हो, जिनकी साझा संस्कृति, इतिहास, बोली-बानी और अन्य समानताएं होती हैं।

पिछले दस वर्षों में नेपाल, श्रीलंका, मालदीव या फिर बांग्लादेश के साथ संबंध लगातार भारत की 'पड़ोसी प्रथम' की नीति की परीक्षा लेते रहे हैं। कई अवसरों पर ऐसा लगा कि किसी तीसरे देश ने खटास-तनाव का फायदा उठा लिया। भारत की विदेश नीति पड़ोसियों के साथ व्यापार करने और आर्थिक संबंधों की तरह ही आत्मीय संबंधों को बराबर महत्व देने की रही है। इससे पड़ोसी देशों से तनाव कम करने में मदद मिली है। इन दिनों भारत-बांग्लादेश संबंधों में भी तनाव की कमी आती दिख रही है।

ज्ञात हो कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने और उनके भारत में शरण लेने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली वहां की अंतरिम सरकार ने भारत के साथ संबंध बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बांग्लादेश में भड़का छात्र आंदोलन अवामी लीग नेता और प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन के खिलाफ था। इस हिंसक आंदोलन के चलते उनका भारत आना एक संयोग मात्र था, लेकिन यूनुस सरकार ने भारत पर जिस तरह तंज कसे, उसे चिढ़ाने का काम किया और शेख हसीना के प्रत्यर्पण को अपनी भारत नीति का मुख्य केंद्र बना दिया, उससे संबंध बिगड़े।

अपने लगभग डेढ़ साल के कार्यकाल में यूनुस ने बांग्लादेश और भारत के संबंधों को न केवल द्वेष से भरा, बल्कि बांग्लादेश की आजादी और बांग्लादेशी जनता पर अत्याचार करने वाले पाकिस्तान को मित्र देशों में गिना, लेकिन चुनाव होते ही समय ने करवट ली और भारत-बांग्लादेश संबंधों में फिर एक नई ऊर्जा का प्रवाह देखा जा सकता है। इसमें बड़ा कारण है बांग्लादेश में प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत प्रथम की नीति।

बांग्लादेश में फरवरी में हुए चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की भारी जीत ने भारत में मिश्रित भाव पैदा किए, क्योंकि बीएनपी ऐतिहासिक तौर पर भारत के खिलाफ मुखर रहने वाला दल रहा है। इसका कारण भारत का शेख हसीना के प्रति लगाव माना जाता था, पर अवामी लीग की अनुपस्थिति में यह पहली बार है कि बीएनपी का नया नेतृत्व भारत के साथ मधुर संबंधों की वकालत कर रहा है।

इसकी शुरुआत बीएनपी प्रमुख एवं प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपनी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को ढाका आने का न्योता भेजकर की। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री का ढाका दौरा नहीं हो पाया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत की अगुआई की। यह पहल महत्वपूर्ण रही। इसके साथ ही तारिक रहमान जिस आत्मीयता से विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ओम बिरला से मिले, उससे भी बिगड़े संबंध पटरी पर आते दिखे।

यह उल्लेखनीय है? कि गत 25 मार्च को प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपने राष्ट्रीय संदेश में बांग्लादेश की आजादी के दौरान पाकिस्तान की ओर से किए गए अत्याचारों की कड़ी आलोचना की। भारत ने बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई उसकी मुक्ति वाहिनी के साथ मिलकर लड़ी थी और पाकिस्तान को बुरी तरह हराया था। बांग्लादेश की आजादी की कहानी इस देश के साथ भारत का एक मजबूत साझा इतिहास है।

बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर उसके दिल्ली स्थित उच्चायोग में भारतीय विदेश राज्य मंत्री, विदेश सचिव और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की मौजूदगी खास रही। इस दौरान बांग्लादेशी उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्ला ने बांग्लादेश की आजादी में भारत का महत्व स्वीकारा। इसके बाद 2 अप्रैल को उन्होंने भारतीय सेना प्रमुख से भेंट की। संबंध सुधार की इसी कड़ी में अब बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान दिल्ली आ रहे हैं। यह दौरा निश्चित ही दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा भरने का काम करेगा।

उनके भारत दौरे पर गंगा जल संधि के नवीनीकरण, व्यापार, निवेश, सुरक्षा और सीमा से संबंधित विषयों पर बात होने की संभावना है। हालांकि बांग्लादेश का विपक्ष, खासकर जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी दल शेख हसीना के प्रत्यर्पण को मुद्दा बनाते रहेंगे, लेकिन तारिक रहमान सरकार को इस पर ध्यान दिए बिना संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर देना होगा, क्योंकि शेख हसीना मामले को द्विपक्षीय संबंधों को मधुर बनाने में आड़े आने देना समझदारी नहीं हो सकती।

जहां बांग्लादेश की नई सरकार अंतरिम सरकार द्वारा खोदी गई खाई को पाटने के प्रयास कर रही है, वहीं यह उम्मीद भी कर रही है कि भारत बांग्लादेशी नागरिकों को वीजा देने में ढील दे। इस सबके बीच हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि यूनुस सरकार के कृत्यों का भारतीय जनमानस पर एक नकारात्मक प्रभाव हुआ है, जिसकी झलक भारतीय मीडिया में लगातार दिखती रही। स्पष्ट है कि एक-दूसरे के प्रति विश्वास पैदा करने हेतु नए सिरे से प्रयास करने होंगे, लेकिन यह मान लेना भी सही नहीं होगा कि सभी मुद्दे रातोंरात सुलझ जाएंगे, क्योंकि मोहम्मद यूनुस ने जो नुकसान किया, उसकी भरपाई में समय लगेगा।

-धनंजय राजौरा

भाजपा स्थापना दिवस पर देवास में भव्य आयोजन

1549 बूथों पर फहराया गया ध्वज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय देवास में उत्साह, उमंग और संगठनात्मक ऊर्जा के साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से पूरा परिसर भाजपा के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव द्वारा पार्टी ध्वज फहराकर की गई। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

देशभक्ति गीतों और नारों से पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वर्चुअल माध्यम से एलईडी के जरिए जुड़े। दोनों नेताओं ने प्रदेश के 17 भाजपा जिला कार्यालयों के भूमि पूजन कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए संगठन विस्तार के संकल्प को दोहराया। जिला कार्यालय को आकर्षक रूप से सजाया गया था। मातृशक्ति द्वारा बनाई गई सुंदर रंगोली सभी के आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही भाजपा सरकार की उपलब्धियों एवं संगठन की विचारधारा पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक देखा। सअपने संबोधन में जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ कार्य करने वाला संगठन है।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और अनुशासन के बल पर ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही देवास में नवीन भाजपा जिला कार्यालय निर्माण का संकल्प भी दिलाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर जिले की 1549 बूथ समितियों पर भी ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी के इतिहास, विचारधारा एवं विकास यात्रा पर चर्चा की गई, जिसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्षों सहित भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव, मनीष सोलंकी, विजय सिंह पवार, गोतमसिंह राजपूत, महेश चौहान, संजय दायमा, मनोहर सिंह पवार, सचिन जोशी, मंडल अध्यक्ष मधु शर्मा, जुगनू गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

धोखाधड़ी के 30 वर्षीय प्रकरण में न्यायालय का फैसला, आरोपी दोषमुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धोखाधडी मामले में लगभग 30 वर्ष पुराने एक आपराधिक प्रकरण में न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी रमेश ठाकुर को दोषमुक्त कर दिया। यह प्रकरण वर्ष 1996 का है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक, देवास शाखा के प्रबंधक द्वारा थाना सिटी कोतवाली में 7 मार्च 1996 को अपराध क्रमांक 247/1996 दर्ज कराया गया था। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 420 एवं 419 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा 8 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए तथा प्रदर्श-1 से प्रदर्श-13 तक दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। मामले की सुनवाई उपरांत माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट पांडेय, देवास ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा। इस आधार पर न्यायालय ने आरोपी रमेश ठाकुर को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता श्वेतांक राज शुक्ला द्वारा प्रभावी पैरवी की गई। उनके साथ अधिवक्ता जय राय एवं उषा बिसेन ने सहयोग किया। प्रकरण में हंसा परिहार एवं वैष्णवी बघेल का भी विशेष सहयोग रहा।

बाढ़ पीड़ित परिवार को नहीं मिली आर्थिक सहायता, फाइलों के फेर में उलझा न्याय

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उदय नगर तहसील के ग्राम राततालाई निवासी एक पीड़ित परिवार ने कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आवेदन देकर गुहार लगाई है कि प्राकृतिक आपदा (बाढ़) में हुई मृत्यु के बावजूद उन्हें अब तक शासन की ओर से आर्थिक सहायता राशि (आरबीसी 6-4) प्राप्त नहीं हुई है।

मामले का विवरण- आवेदक सुरेश भार्गव के अनुसार, उनके पिता स्व. नरसिंह भार्गव की मृत्यु 5 सितंबर 2025 को भारी वर्षा के कारण नदी में आई बाढ़ में डूबने से हो गई थी। घटना के संबंध में थाना उदय नगर में मर्ग क्रमांक 59/2025 दर्ज किया गया था और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागली में पोस्टमार्टम कराया गया था।

प्रशासनिक लापरवाही का आरोप- आवेदक का कहना है कि उन्होंने आधार कार्ड, बैंक खाता, मृत्यु प्रमाण पत्र, मर्ग रिपोर्ट और पीएम रिपोर्ट जैसे सभी आवश्यक दस्तावेज तहसील कार्यालय उदय नगर में जमा कर दिए हैं। इसके बावजूद, पिछले 6 महीनों से परिवार तहसील और एसडीएम कार्यालय बागली के चक्कर काट रहा है।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि तहसील कार्यालय का कहना है कि फाइल एसडीएम कार्यालय भेज दी गई है।जबकि एसडीएम कार्यालय के संबंधित बाबू का कहना है कि उन्हें ऐसी कोई फाइल प्राप्त नहीं हुई है, जिससे फाइल के गुम होने की आशंका बनी हुई है। पीड़ित परिवार वर्तमान में गंभीर मानसिक और आर्थिक संकट से गुजर रहा है।

प्रभाकर से पुष्पित और पल्लवित यह मधुबन है - कवि देवकृष्ण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मूर्धन्य कवि साहित्यकार स्व. प्रभाकर शर्मा बंधु की पुण्यतिथि विशेष पर नगर में बड़ा साहित्यिक आयोजन किया गया। संस्कृति साहित्य रचनालय संसार म.प्र. द्वारा इस अवसर पर आयोजित काव्योत्सव में नर्मदापुरम के कवि गीतकार ओमप्रकाश यादव को प्रदेश का लब्ध प्रतिष्ठित श्री प्रभाकर प्रशस्ती सम्मान 2026 से अलंकृत किया गया। आयोजन के सारस्वत अतिथि सर्वब्राह्मण समाज संघ जिलाध्यक्ष एडव्होकेट प्रशांत शर्मा, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैनेन्द्रसिंह पंवार राजा एवं संस्कृतिकर्मी सलीम शेख थे। काव्योत्सव की अध्यक्षता राष्ट्रीय कवि एवं विचारक देवकृष्ण व्यास ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत दिलीप मांडलिक, विजय जोशी, शरीफ खान, अक्षय गोस्वामी ने किया पश्चात कवियत्रि कनिष्का भावसार ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुत दी। आरंभ में स्वागत भाषण गीतकार विनोद मंडलोई ने एवं सुधी संचालन प्रदेश अध्यक्ष संसार त्रिभुवन शर्मा ने किया। आमंत्रित कवियों में ओमप्रकाश यादव का गीत मां तेरे चरणों में सारे तीरथ चारों धाम मां तुम्हें प्रणाम को विशेष सराहा गया। बड़ी संख्या में श्रोताओ की उपस्थिति रही जिसमें कवि राजेन्द्र तिवारी नीलम, देव निरंजन, राजेश चौधरी आदी।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी एवं अपर कलेक्टर संजीव जैन ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी एवं अपर कलेक्टर संजीव जैन ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अपर कलेक्टर द्वय ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाये- जनसुनवाई में आवेदक बंशीलाल पिता चुन्नीलाल निवासी ग्राम आक्या ने आवास योजना का लाभ दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

आर्थिक सहायता राशि दिलाई जाये- जनसुनवाई में आवेदक किशन पिता रामप्रसाद बीराखेड़ी कांकड़ ने आर्थिक सहायता राशि दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

एलआईसी एजेंट से राशि दिलवाई जाए- जनसुनवाई में आवेदक तेजकुंवर निवासी देवास ने एलआईसी एजेंट से राशि दिलवाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

जन्म प्रमाण पत्र में नाम सही करवाया जाए - जनसुनवाई में आवेदिका ममता बाई ने जन्म प्रमाण-पत्र में नाम सही करवाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

5 साल बाद भी अधूरी नर्मदा सिंचाई योजना, किसानों ने जताई चिंता

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ का धरना, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत के आव्हान पर तहसील स्तर पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम तहसीलदार, टप्पा विजयगंज मंडी के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई।

किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से प्रमुख रूप से गेहूं की समर्थन मूल्य पर तत्काल खरीदी शुरू करने, खरीदी में किसी प्रकार की सीमा न लगाने, तौल कांटों एवं हम्मालों की संख्या बढ़ाने तथा पर्याप्त बारदाना उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही, भावांतर योजना के तहत उन किसानों को लाभ देने की बात कही गई, जिन्होंने मजबूरी में कम दाम पर गेहूं बेचा है। इसके अलावा सहकारी बैंकों में खाता पलटी की तारीख बढ़ाकर 30 मई करने, खाता पलटी प्रक्रिया को वार्षिक बनाने तथा ओवरड्यू खातों पर लगने वाले ब्याज व पेनल्टी में राहत देने की मांग भी उठाई गई। किसानों ने नरवाई जलाने पर की जा रही कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और इसके लिए ठोस समाधान तैयार होने तक किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई जारी रही तो 'जेल भरो आंदोलन' किया जाएगा। ज्ञापन में नर्मदा माइक्रो सिंचाई परियोजना के पांच वर्षों बाद भी पूर्ण नहीं होने पर चिंता जताते हुए जल्द इसे चालू करने की मांग की गई। साथ ही किसानों ने गेहूं के भाव और खाद (डीएपी) के बढ़ते दामों के बीच असंतुलन पर सवाल उठाते हुए सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि गेहूं खरीदी में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न हुआ तो खरीदी केंद्रों पर धरना प्रदर्शन एवं चक्का जाम किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान तहसील मंत्री राजेंद्र जोशी, अध्यक्ष मूलचंद पाटीदार, आनंद मेहता, सूर्यप्रकाश काका, नरेंद्र सिंह डाबी, गोपाल आंजना, महेश आंजना, वीरेंद्र पटेल, आशीष शर्मा, परमानंद पाटीदार, सुभाष पटेल, गणेश शर्मा, कमल सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जिला किसान कांग्रेस ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी करने एवं गेहू का भाव 3 हजार बढ़ाने को लेकर कृषि उपज मंडी में किसानों के बीच पहुंच कर दिया ज्ञापन

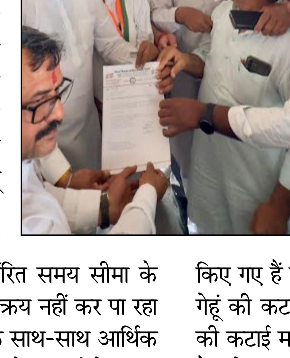

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विश्वजीत सिंह चौहान के नेतृत्व में मंगलवार को किसानों एवं कांग्रेस जन ने कृषि उपज मंडी पहुंचकर किसानों के बीच जाकर मंडी सचिव अरविंद परिहार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में प्रदेश के किसानों को गेहूं खरीदी एवं समर्थन मूल्य से संबंधित कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत किसान अपनी उपज का विक्रय नहीं कर पा रहा है जिससे उन्हें कृषि संबंधी कार्यो के साथ-साथ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ज्ञापन व प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से मांग की गई कि गेहूं की एसपी समर्थन मूल्य पर तत्काल खरीदी चालू की जाए, पराली जलाने वाले किसानों पर जो मुकदमे दर्ज किए गए उन्हें निरस्त किया जाए,गेहूं का भाव 3000 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए,सोसाइटी ऋण जमा करने की तिथि बढ़ाई जाए,मंडी में व्याप्त व्यवस्था में सुधार किया जाए, फसल विक्रय के बाद तुरंत भुगतान किया जाए। ज्ञापन के पूर्व विश्वजीत सिंह चौहान ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हम आपके माध्यम से किसानो की मांग केंद्र एवं प्रदेश सरकार तक पहुंचाना चाहते है,पराली जलाने को लेकर जिन किसानों पर प्रकरण दर्ज किए गए हैं उन्हें तत्काल वापस किया जाए क्योंकि अब गेहूं की कटाई आधुनिक पद्धति से होती है इसलिए गेहूं की कटाई मशीन से होने पर खेत में गेहूं के ठूठ रह जाते हैं उन्हें जलाने के अलावा किसान के पास कोई विकल्प नहीं है या तो सरकार उन्हें निशुल्क रूप से मशीन उपलब्ध कराए जिससे कि वह गेहूं कटाई के बाद खेत साफ कर सके।

नरवाई जलाना नहीं छोड़ रहे किसान, जमीन को पहुंचा रहे नुकसान

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद किसान नरवाई जलाना बंद नहीं कर रहे हैं। खास बात ये है कि जिले में नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसके बाद भी प्रशासन ने कोई एक्शन नहीं लिया।

क्षेत्र के मोहना, भंवरासा, बरनावद, बड़ौदी, माल्याहेडी, कडूला, मांगलिया और निपानिया सहित कई गांवों में प्रतिदिन खेतों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। नरवाई जलाने से आसपास के पेड़-पौधों को नुकसान होता है और कई बार आग फैलकर वन क्षेत्रों तक पहुंच जाती है, जिससे बड़े नुकसान का खतरा बना रहता है। कृषि विशेषज्ञों की माने तो पराली (नरवाई) जलाने से मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उत्पादकता कम होती है। इससे किसानों को लंबे समय में आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई जलाने के बजाय वैकल्पिक उपाय अपनाएं और खेतों की उर्वरा शक्ति बनाए रखने में सहयोग करें।

आगजनी का भी बढ़ रहा खतरा कृषि विस्तार अधिकारी (एसएडीओ) अमित यादव ने बताया कि किसान खेतों में नरवाई न जलाएं। इससे भूमि में मौजूद सूक्ष्म जीव मर जाते हैं, जिससे उर्वरा शक्ति कम होती है। साथ ही आगजनी की घटनाएं बढ़ती हैं और पेड़-पौधे भी आग का शिकार होते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के जागरूकता के बावजूद लगातार नरवाई जलाने के सवाल पर अधिकारी अमित यादव ने कहा कि प्रशासन सेटेलाइट के माध्यम से कार्रवाई कर रहा है। जिन लोगों ने भी नरवाई जलाई है, उनके खिलाफ सेटेलाइट के माध्यम से जानकारी जुटाकर पटवारी को मौके पर भेजकर पंचनामा बनवाया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संबल और सशक्त लोकतंत्र के लिए समिति महत्वपूर्ण

सभापति के रूप में विधायक अरुण भीमावद ने बैठक में लिया भाग

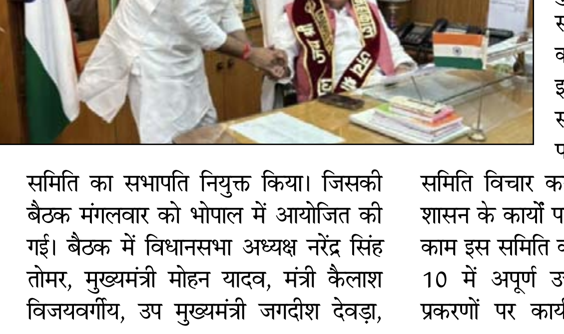

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मप्र विधानसभा में विभिन्न समितियों का गठन किया गया, जिसमें शाजापुर विधायक अरुण भीमावद को प्रश्न एवं संदर्भ समिति सभापति मनोनीत किया गया है। सदन की समितियां सदन का लघु रूप होती हैं। प्रश्न एवं संदर्भ समिति एक महत्वपूर्ण समिति है। संबल और सशक्त लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक होता है, जो काम समयाभाव के कारण विधायिका करने में समर्थ न हो, उन्हें समिति के माध्यम से पूर्ण किया जाए।

मप्र विधानसभा अध्यक्ष ने पिछले दिनों समितियों का गठन किया, उसमें शाजापुर विधायक अरुण भीमावद को प्रश्न एवं संदर्भ समिति का सभापति नियुक्त किया। जिसकी बैठक मंगलवार को भोपाल में आयोजित की गई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, प्रतिपक्ष नेता उमर सिंगार मौजूद थे। गौरतलब है कि पहली बार शाजापुर विधायक के रूप में अरुण भीमावद समिति के सभापति मनोनीत हुए हैं। जिस समिति के वे सभापति बने हैं उसका कार्यक्षेत्र काफी व्यापक है। इसमें जिन प्रकरणों पर अन्य समितियां विचार नहीं कर पाती हैं उन विषयों पर ये समिति विचार कर सकती है। मूल रूप से शासन के कार्यो पर प्रभावी नियंत्रण रखने का काम इस समिति का है। समिति द्वारा 2009-10 में अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तर संबंधी प्रकरणों पर कार्यवाही शुरू कर विभागीय प्रमुख सचिवों को जानकारी न भेजने के संबंध में समिति के समक्ष बुलाया गया। जिसके फलस्वरूप विभाग द्वारा दिए जाने वाले अपूर्ण उत्तरों में उल्लेखनीय कमी आई है। समिति के समक्ष सभी सदस्यों की ओर से शासन द्वारा गलत उत्तर दिए जाने की शिकायत प्राप्त होने के बाद विभाग से पत्राचार के उपरांत प्राप्त जानकारी समाधानकारक न होने पर माननीय अध्यक्ष द्वारा प्रकरण समिति को जांच हेतु सौंपा जाता है। मंगलवार को हुई बैठक में सभापति के रूप में विधायक अरुण भीमावद, सदस्य के रूप में विधायक हरिसिंह सप्रे, राजेश वर्मा, प्रणव पांडे, नारायण पटेल, अनिल जैन, गोपाल सिंह इंजीनियर, श्याम बर्डे, बाला बच्चन, सुदेश राजे, झूमा सोलंकी उपस्थित रहे।

ट्रक में घुसी कार, एक ही परिवार के 8 लोग घायल

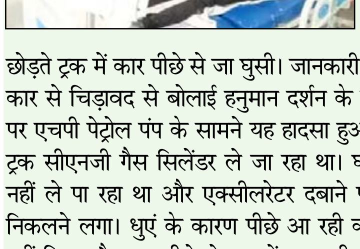

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार में सवार एक ही परिवार के 8 लोग हादसे का शिकार हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा नैनावद घाटी के पास हुआ। जब एक धुंआ छोड़ते ट्रक में कार पीछे से जा घुसी। जानकारी के अनुसार एक परिवार अपनी कार से चिड़ावद से बोलाई हनुमान दर्शन के लिए जा रहा था। नैनावद घाटी पर एचपी पेट्रोल पंप के सामने यह हादसा हुआ। इंदौर से आगरा जा रहा एक ट्रक सीएनजी गैस सिलिंडर ले जा रहा था। घाटी पर चढ़ते समय ट्रक लोड नहीं ले पा रहा था और एक्सीलरेटर दबाने पर उसके पीछे से काला धुआं निकलने लगा। धुएं के कारण पीछे आ रही कार के चालक को ट्रक दिखाई नहीं दिया और कार पीछे से ट्रक में जा घुसी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ट्रक चालक ने 108 एंबुलेंस को फोन कर सूचना दी। इस दुर्घटना में 13 वर्षीय आरव, 21 वर्षीय दिव्या, 70 वर्षीय शांता बाई, 13 महीने का शिवांश, 31 वर्षीय पूजा, इंद्रा पटेल, सचिन और तक्ष शामिल हैं।

हाईवे पर फिर शुरू हुआ लूटपाट का दौर, पुलिस का मिल रहा संरक्षण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। फोरलेन निर्माण के बाद वाहन चालकों खासकर ट्रक चालकों को यहां से गुजरना कभी सुखद महसूस हुआ करता था। लेकिन यह रास्ता फिर ट्रक चालकों के लिए मुसीबत बन गया है। जहां रात हो या दिन कभी भी लुटेरे और बदमाश इन वाहनों को निशाना बनाने लगे हैं। यहां वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए नैनावद चौकी जरूर है लेकिन वह इन वाहन चालकों के बजाए लुटेरों की पनाहगार बनी हुई है।

यहां एसआई गोकुलसिंह मंडोत पदस्थ हैं, लेकिन वे केवल वाहन चालकों की परेशानी बढ़ाने के अलावा कोई मदद नहीं करते। खुद ट्रक चालक बताते हैं कि उनके साथ लुट होने के बाद जब वे चौकी पर जाते हैं तो एफआईआर या शिकायत सुनने के पहले ही वे इस थाने से उस थाने पर भेजते रहते हैं। जबकि वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए यहां नैनावद चौकी की स्थापना की गई थी, लेकिन एसआई साहब बदमाशों की सुरक्षा में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं। यही वजह है कि पिछले एक माह में यहां आधा दर्जन से अधिक वाहन चालक लूट के शिकार हुए हैं और एसआई साहब ने एक भी वाहन चालक की मदद नहीं की और न ही उनकी सुनवाई की और किसी भी लूट के मामले में गिरफ्तारी तो दूर जांच तक नहीं हुई है।

इनका मुख्य काम वाहन चालकों से अवैध वसूली

इन दिनों वाहन चालक नैनावद घाटी आते ही घबराने लगते हैं। क्योंकि उन्हें लूटेरों से ज्यादा खाकी का डर बना हुआ है। एक बस चालक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यहां बैठे साहब जब भी बस को देखते हैं नियम के नाम पर उनका समय भी खराब करते हैं और उनसे वसूली भी करते हैं। यदि बस में खराबी आ जाए तो उसमें बैठी सवारी को भी साहब परेशान करते हैं। अब सवाल ये उठता है कि साहब को खाकी अवैध वसूली, जनता को परेशान करने के लिए दी है या वे कभी वे खाकी की लाज भी रखेंगे।

कप्तान के दावों का भी उड़ा रहे मखौल- पुलिस कप्तान प्रदीप शर्मा लोगों के लिए संकट मोचन बन चुके हैं। जो कभी भी किसी फरियादी को खाली हाथ नहीं जाने देते। वे कई बार कह चुके हैं कि थाने या चौकी पर आने वाले फरियादी की सुनवाई अच्छे से करें और उन्हें अच्छा वातावरण दें ताकि पुलिस की शान बनी रहे। लेकिन नैनावद चौकी में पदस्थ एसआई गोकुलसिंह मंडोत उनके आदेश और कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। कई लोग एसआई मंडोत की कार्यप्रणाली से इतने परेशान हो चुके हैं कि उनका खाकी से विश्वास ही उठने लगा है। अब देखना है पुलिस कप्तान एसआई मंडोत की कारगुजारियों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

मैं ही हूं यहां का साहब- नैनावद चौकी तराना थाने के अंतर्गत आती है। जहां गोकुलसिंह मंडोत एसआई हैं, लेकिन जब कोई फरियादी वाहन चालक या ग्रामीण इनके पास अपनी समस्या लेकर पहुंचते हैं तो ये कहते हैं कि मैं ही यहां का साहब हूं। किसी फरियादी के आते ही इनके चेहरा खिल जाता है क्योंकि उसकी फरियाद सुनते ही साहब को लक्ष्मीदर्शन पाने का मार्ग जो मिल जाता है। यही नहीं एसआई मंडोत चौकी पर आने वाले लोगों के साथ गाली-गलौच कर उसे अपमानित करने में भी पीछे नहीं हटते। जबकि थाना प्रभारी को पता ही नहीं कि एसआई साहब टीआई बनकर उनका भी नाम खराब कर रहे हैं। यहां आते ही फरियादी को न्याय मिलने के बजाए उसकी जेब पर डाका डलना शुरू हो जाता है। यही नहीं एसआई साहब कई बार नशे में अपनी ड्यूटी निभाते नजर आए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि खाकी के नाम पर एसआई गोकुलसिंह मंडोत क्या गुल खिला रहे हैं। यदि टीआई साहब या वरिष्ठ अधिकारी चौकी पर आकर निरीक्षण कर लें तो मंडोत साहब की कार्यप्रणाली और खाकी के नाम पर हो रही कालाबाजारी का भंडाफोड़ हो सकता है।

इनका कहना है- आपके द्वारा मामला संज्ञान में लाया गया है। कुछ वीडियो भी मेरे पास आए हैं जिनमें एसआई द्वारा कुछ लोगों के साथ अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। मामले की जांच की जाएगी और यदि एसआई दोषी पाए जाते हैं तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

- प्रदीप शर्मा, एसपी-उज्जैन

‘मुस्कान’ अभियान में सुसनेर पुलिस की तत्परताः गुमशुदा नाबालिग बालिका 8 घंटे में सकुशल दस्तयाब

CCTV फुटेज, तकनीकी साक्ष्य व बस स्टैंड पर पूछताछ से मिली सफलता

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह के निर्देशन में संचालित ‘मुस्कान’ अभियान के अंतर्गत गुमशुदा एवं अपहृत बच्चों की तलाश हेतु विशेष कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सुसनेर देवनारायण यादव के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक अक्षय सिंह बैस के नेतृत्व में थाना सुसनेर पुलिस द्वारा सराहनीय कार्रवाई की गई।

घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 06.04.2026 को फरियादिया द्वारा थाना सुसनेर में अपनी नाबालिग बालिका के गुम होने संबंधी रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उक्त सूचना पर थाना सुसनेर में अपराध धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कार्यवाही - प्रकरण दर्ज होते ही पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाश की गई तथा बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थानों एवं संभावित मार्गों पर पूछताछ की गई।

साथ ही क्षेत्र में लगे CCTV कैमरों के फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों का संकलन एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। इन सभी प्रयासों के आधार पर संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर टीम द्वारा लगातार पीछा करते हुए महज 8 घंटे के भीतर नाबालिग बालिका को थाना कानड़ क्षेत्र से सकुशल दस्तयाब किया गया।

पुलिस की सजगता, त्वरित समन्वय एवं तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग से यह सफलता प्राप्त हुई।

सराहनीय भूमिका - इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अक्षयसिंह बैस के नेतृत्व में सउनि. जितेन्द्र झा, सउनि. धर्मेन्द्र पाटीदार, प्रधान आर. जगदीश गुजराती, आर. पवन जावरिया, आर. गिरीराज जामलिया एवं महिला आर. मोना राजपूत की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने वाहन रैली निकाल कर S.D.M. साहब को दिया ज्ञापन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद आलोट के सफाई कर्मचारीयो द्वारा श्री मान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आलोट को आज दिनांक 7 अप्रैल 2026 मंगलवार को जनसुनवाई में ज्ञापन दिया गया जिसमें 2 माह का बकाया वेतन एक साथ डालने व अन्य कर्मचारियों का भी बकाया वेतन डालने एवं प्रतिमाह 1 से 5 तारीख में वेतन डालने की मांग के साथ अन्य मांगों का त्वरित नीराकरण करने की मांग की है। 24 घंटे में मांगे पूरी नहीं होने पर हम कर्मचारियो को मजबूरन आगे काम बंद हड़ताल करना पड़ेगी। ज्ञापन में मध्य प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा के जिला पदाधिकारी एवं नगर इकाई अध्यक्ष सहित संगठन की पूरी कार्यकारिणी एवं समस्त सफाई कर्मचारी मौजूद थे जिन्होंने बताया कि छः माह पूर्व में भी हमारे नगर परिषद कर्मचारियों ने अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर काम बंद हड़ताल की थी जिसमें नगर परिषद के सीएमओ एवं नगर परिषद अध्यक्ष के द्वारा 5 माह में समस्त मांगो का नीराकरण हेतु लिखित आश्वासन दिया गया था जिसके बाद कर्मचारियों द्वारा हड़ताल खत्म की गई थी। संगठन के पदाधिकारियों का कहना हे कि छः माह पूर्ण होने पर भी अभी एक भी मांग पूरी नहीं की गई हे और किसी भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

बिजली फाल्ट होने से गेहूं के डढल में भयानक रूप से लगी आग

फायर ब्रिगेड के संचालक भगवत सिंह 9 मिनट में 25 किमी का सफर कर आग पर पाया काबू

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम मदाना गांव में सिलेपुर मार्ग भीम सिंह मेवाडा के खलिहान के पास स्थित एक 10 बीघा जमीन में गेहू के डंठलों में लाइन फाल्ट हो जाने से आगजनी की घटना घटित हो गई थी या तो शुक्र है ग्रामीण जनों का जो आसपास से आग बुझाने का प्रयास किया कहीं ना कहीं तो उसमें ब्रेक लगाने की कोशिश की इसके बाद अकोदिया नगर पंचायत की फायर ब्रिगेड मशीन फोन लगाते ही 9 मिनट में 25 किलोमीटर सफर तय कर मदाना पहुंच गई और पूरी तरह से आग बुझाने में सफलता प्राप्त की अन्यथा खेत के आसपास मवेशियों के लिए रखा भूसा एवं लहसुन प्याज आदि भी जलकर खाक हो जाती किसान कृपाल सिंह एलम सिंह भीम सिंह सहित और आसपास के किसानों का काफी नुकसान हो सकता था यह पूरा घटना क्रमांक खेतों से निकले बिजली के जानलेवा बिजली के झूलते हुए तार आपस में टकरा गए जिससे बिजली फाल्ट होकर जमीन पर गिरते ही आग में तब्दील हो गई जबकि कृषक गणों ने अनेक बार बिजली विभाग के अधिकारियों से इस और ध्यान देने के लिए भी आवेदन निवेदन किया था लेकिन किसी अधिकारी ने उनकी एक नहीं सुनी यह तो शुक्र है भगवान का की इस खेत से दो दिन पहले ही गेहूं कटाई का कार्य पूर्ण हुआ था अन्यथा यहां किसान तो खुद बर्बाद हो जाता था जहां खेतों से परवाली जलाने के लिए कलेक्टर अनेक बार किसानों पर सेटेलाइट के माध्यम से कार्रवाई करने का हवाला दे चुके हैं अब किसानों के खेत में परोहली में लगी भयानक आग जो की बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के चलते हुई है अब यहां कार्रवाई आखिरकार जांच का विषय।

मदाना के मेले में लगी श्रद्धालुओं की अपार भीड़

शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहनाओं ने दिल खोलकर मेले में की खरीदारी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मदाना गांव में पिछले 168 वर्षों से मेला लगने की परंपरा चली आ रही है जो आज तक भी जारी है 3 अप्रैल से शुरू हुए ऐतिहासिक मेले का 7 अप्रैल मंगलवार को पांचवा दिन था जहां मेले में अपार भीड़ दिखाई दी जहां रात्रि को माता की आराधना में हजारों लोग माता की भक्ति में मगन दिखाई दे रहे थे वही परिसर में आयोजित मेले में भी श्रद्धालुओं की अच्छी खासी चहल-पहल दिखाई दी मेले में आने वाले खेल खिलौना मिठाई दुकान बर्तन जूते चप्पल चूड़ी घड़ी पानी पूरी आइसक्रीम गन्ना रस जैसी दुकानों पर अपार भीड़ दिखाई दी दुकान संचालक दिनेश आर्य एवं जितेन पाटीदार दिलीप पुष्पद बताते हैं कि यह मेला ऐसे हालातो में भी अच्छा खासा चला जानकार लोग बताते हैं कि मेला महिलाओं का होता है और महिलाओं के पास लाडली बहनों की जो राशि मिलती है उससे महिलाओं ने दिल खोलकर मिले का आनंद लिया जमकर मेले में खरीदारी की एक बार फिर मदाना मेले में शिवराज सिंह चौहान की याद ताजा हो गई हर कोई महिला के जुबान पर बस एक ही नाम था कि हमारा भाई शिवराज सिंह चौहान द्वारा संचालित की गई लाडली बहन योजना का मोहन सरकार में भरपूर सहयोग मिल रहा है भाई शिवराज की असीम कृपा से पूरे मेले से दिल खोलकर खरीदारी की है और आगे भी करते रहेंगे की बात महिलाओं द्वारा की गई उक्त मेला परिसर में सुबह से शाम तक करीब 10 से 15000 लोगों प्रतिदिन मेला करने के लिए दूर-दूर से मदाना पहुंच रहे हैं।

5 मिनिट के बवंडर से जन-जीवन अस्त व्यस्त, बिजली गुल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में मंगलवार शाम अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। शाम को गुल हुई बिजली देर रात तक चालू नही हो पाई। करीब 5 मिनट तक चले इस तेज बवंडर ने कई स्थानों पर पेड़ों और बिजली के खंभों को धराशायी कर दिया, जिससे कई मार्ग अवरुद्ध हो गए और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं की रफ्तार इतनी अधिक थी कि बाजार क्षेत्र में कई दुकानों के साइन बोर्ड उड़ गए और बाहर रखा सामान बिखर गया। मण्डी में किसानों व व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ा। अचानक आई इस आंधी से लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आंधी-बारिश का असर कृषि उपज मंडी पिपलिया मंडी में भी देखने को मिला, जहां खुले में रखी लहसुन और गेहूं की उपज भीग गई। मंडी में उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। कई किसानों ने बताया कि अचानक मौसम बदलने से उन्हें उपज को सुरक्षित करने का मौका भी नहीं मिल पाया। आंधी के चलते नगर के विभिन्न हिस्सों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। शाम करीब 5.15 बजे बिजली गुल हो गई, जो देर रात तक बहाल नहीं हो सकी। बिजली बंद होने से घरों और दुकानों में अंधेरा छा गया तथा लोगों को गर्मी और असुविधा का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग की टीम सक्रिय हुई और पोल पर गिरे हुए पेड़ों को हटाने व बिजली व्यवस्था बहाल करने के प्रयास शुरू किए गए। हालांकि समाचार लिखे जाने तक कई क्षेत्रों में स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई थी। गनीमत रही कि इस प्राकृतिक घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली है, लेकिन संपत्ति और कृषि उपज को नुकसान पहुंचा है।

वन विभाग सुसनेर की बड़ी कार्रवाई, अवैध चिरान लकड़ी से भरा पिकअप वाहन जब्त

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग सुसनेर द्वारा अवैध लकड़ी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चिरान लकड़ी से भरा एक पिकअप वाहन जब्त कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार, वन मंडलाधिकारी शाजापुर श्रीमती हेमलता शाह के निर्देशन एवं उपवनमंडलाधिकारी आगर फतेसिंह नीनामा, के मार्गदर्शन में चन्द्रसिंह पंवार, वन परिक्षेत्र अधिकारी सुसनेर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम द्वारा गणेशपुरा जोड़ क्षेत्र में वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई, जिसमें अवैध रूप से चिरान लकड़ी भरी हुई पाई गई। वन विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त किया गया तथा वाहन चालक नावेद पिता आरिफ खां, निवासी नलखेड़ा के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जप्ती की कार्रवाई पीरूलाल खाटकी, डिप्टी रेंजर के नेतृत्व में की गई, जिसमें वन विभाग के कर्मचारियों सुरेश प्रजापति, कमलसिंह मालवीय, के.एल. परमार (वनरक्षक), जितेंद्र गौर, संजय गौर, देवराज सिंह सिसोदिया सहित वाहन चालक बद्रीसिंह सिसोदिया का विशेष सहयोग रहा। वन विभाग ने बताया कि अवैध लकड़ी परिवहन एवं वन अपराधों के विरुद्ध आगे भी सतत अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत के उभरते बाजारों में रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए एबी एनर्जिया ने लॉन्च किया एक नया प्लेटफॉर्म - ‘अर्कानेक्ट’

डिस्ट्रीब्यूटेड सोलर सेक्टर में ग्रोथ की कमान संभालने के लिए सागर सक्सेना को नियुक्त किया सीईओ

मुंबई। भारत की अग्रणी सोलर ईपीसी कंपनी, एबी एनर्जिया ने आज ‘अर्कानेक्ट’ को लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक नया प्लेटफॉर्म है जो विशेष रूप से भारत के आवासीय उपभोक्ताओं और लघु तथा मझौले उद्योगों के लिए रूफटॉप सोलर लगवाने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाएगा। इसी रणनीति के तहत, कंपनी ने सागर सक्सेना को अर्कानेक्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है, जो विशेष रूप से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल और उत्तर प्रदेश जैसे उच्च-विकास वाले राज्यों में बाजार विस्तार का नेतृत्व करेंगे।

बाजार के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में स्थापित कुल 22 गीगावाट रूफटॉप सोलर में से लगभग 60त्न हिस्सा औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों का है। हालांकि, विकास की अगली बड़ी लहर लघु तथा मझौले उद्योगों और आवासीय क्षेत्रों से आने वाली है, जहाँ विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा के मानक बनने के साथ 28त्न की वार्षिक दर से वृद्धि होने का अनुमान है।

अर्कानेक्ट, एबी एनर्जिया की इन-हाउस ईपीसी क्षमताओं का उपयोग करके बीच के एजेंटों और छिपे हुए खर्चों को खत्म करता है। यह प्लेटफॉर्म सिस्टम डिजाइन, फाइनेंसिंग, इंस्टॉलेशन और लंबे समय तक मेंटेनेंस तक सभी सेवाएं एक ही जगह पर उपलब्ध कराता है। खासतौर पर टियर-2 और टियर-3 शहरों के ग्राहकों को ध्यान में रखा गया है।

इसके साथ एक मोबाइल ऐप भी दिया गया है, जिससे ग्राहक इंस्टॉलेशन की प्रगति और सिस्टम के प्रदर्शन को रियल-टाइम में देख सकते हैं। स्थानीय पार्टनर्स और केंद्रीकृत इंजीनियरिंग के संयोजन से अर्कानेक्ट अब आम घरों और छोटे व्यवसायों को भी इंडस्ट्री-स्तर की गुणवत्ता उपलब्ध कराएगा।

सागर सक्सेना की नियुक्ति का उद्देश्य मजबूत नेतृत्व तैयार करना है, जिससे डिस्ट्रीब्यूटेड सोलर के अगले चरण को आगे बढ़ाया जा सके। एबी एनर्जिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर सिद्धार्थ भाटिया ने कहा कि कंपनी ने वर्षों से बड़े औद्योगिक ग्राहकों के लिए सोलर प्रोजेक्ट्स पर काम किया है और अब वही गुणवत्ता आम ग्राहकों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि कंपनी अगले तीन वर्षों में 700- 1,000 करोड़ का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रखती है।

अर्कानेक्ट के सीईओ सागर सक्सेना ने कहा, अर्कानेक्ट एक आसान सोच पर बना है—रूफटॉप सोलर को लोगों के लिए सरल, साफ और आसानी से उपलब्ध बनाना। लोगों की रुचि पहले से है, लेकिन अब तक एक भरोसेमंद जगह नहीं थी जहां से वे शुरुआत कर सकें। अर्कानेक्ट के जरिए हम एक ही प्लेटफॉर्म, एक ही संपर्क और एक ही जिम्मेदार टीम दे रहे हैं, जो शुरुआत से लेकर मेंटेनेंस तक ग्राहक के साथ रहेगी। हमारा लक्ष्य है कि जब कोई घर या दुकान का मालिक अर्कानेक्ट चुने, तो उसे लगे कि सोलर लगवाना साल का सबसे आसान फैसला था।

भारत अब बड़ी तेजी से सौर ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है, जिसमें घरों की छतों पर लगने वाले सोलर पैनल की सबसे बड़ी भूमिका है। अर्कानेक्ट का लक्ष्य ग्राहकों को जागरूक करना, सही दाम बताना और आसान लोन की सुविधा दिलाना है। अक्सर ग्राहकों को सोलर लगवाने में जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, यह प्लेटफॉर्म उन्हें दूर कर एक भरोसेमंद साथी की भूमिका निभाएगा। अर्कानेक्ट के जरिए एबी एनर्जिया एक ऐसा आसान जरिया बन रहा है, जिससे आम परिवार और छोटे दुकानदार देश को प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना योगदान दे सकें और साथ ही अपने बिजली बिल के भारी खर्च को भी कम कर सकें।

पंद्रह विक्रेताओं के फुटकर उर्वरक विक्रय लायसेंस निलंबित

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने ई-विकास प्रणाली से उर्वरक का वितरण नहीं करने वाले जिले के 15 फुटकर उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिये हैं। इन उर्वरक विक्रेताओं में न्यू शर्मा कृषि केन्द्र अंधुवा विकासखंड पनागर, जय कृषि केन्द्र खलरी विकासखंड मझौली, इफको बाजार पनागर विकासखंड पनागर, वैष्णवी कृषि केन्द्र मोहला विकासखंड मझौली, तिवारी कृषि सेवा केन्द्र गोसलपुर विकासखंड सिहोरा, अभिषेक कृषि सेवा केन्द्र मनकेडी विकासखंड शहपुरा, राहुल ट्रेडर्स नुनसर विकासखंड पाटन, अजय कृषि केन्द्र रैपुरा पनागर विकासखंड पनागर, गुप्ता कीटनाशक भंडार बघराजी विकासखंड कुण्डम, किसान कृषि सेवा केन्द्र बघराजी विकासखंड कुण्डम, माँ शारदा खाद बीज भंडार पिपरिया बरगी विकासखंड जबलपुर, अग्रवाल इंटरप्राईजेज पाटन विकासखंड पाटन, पाण्डेय कृषि केन्द्र मझगवां विकासखंड सिहोरा, अनमोल एग्रोटेक बेलखाडू विकासखंड पनागर एवं मेसर्स सिद्धी फर्टिलाईजर खजरी विकासखण्ड पनागर शामिल हैं। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास डॉ एस के निगम ने बताया कि इन उर्वरक विक्रेताओं ने तीन अप्रैल से छह अप्रैल की अवधि के दौरान उर्वरक का विक्रय ई-विकास प्रणाली के माध्यम नहीं किया था।

आंधी-तूफान में बड़ा हादसा, स्टीमर से नदी में गिरी युवती की मौत, एक घंटे बाद शव बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे तेज आंधी-तूफान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। खात्याखेड़ी के पास रायसिंह पिपलिया घाट क्षेत्र में चंबल नदी के डूब क्षेत्र में सवारियों से भरे स्टीमर में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान एक युवती नदी में गिर गई, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही नाहरगढ़ थाना प्रभारी वरुण तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल सर्चिंग अभियान शुरू कराया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद युवती का शव नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान आशा सूर्यवंशी (24) निवासी कुशालपुरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तेज हवाओं के चलते संतुलन बिगड़ने से वह स्टीमर से नदी में जा गिरी। घटना के समय स्टीमर में मृतका के परिजन सहित अन्य लोग भी सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक आई तेज आंधी के कारण स्टीमर में अफरा-तफरी मच गई थी। पहले स्टीमर के असंतुलित होने और पलटने जैसी स्थिति खबर सामने आई थी। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

मंडल प्रशिक्षण का राष्ट्रगान के साथ समापन, अंतिम दिन तीन सत्रों में वक्ताओं ने दिए उद्बोधन

जिला प्रभारी पटेल ने संगठन की नीतियों को जन–जन तक पहुचाने व बूथ स्तर को मजबूत करने का दिया मन्त्र

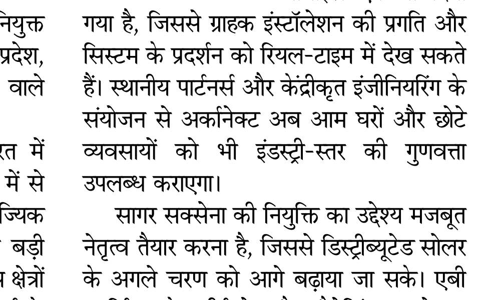

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 अंतर्गत आयोजिय प्रशिक्षण शिविर का समापन मंगलवार को राष्ट्रगान के साथ हुआ। जिसमें मण्डल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। अंतिम दिन तीन सत्र हुए। पहले सत्र में मीसाबंदी गोवर्धन शुक्ला की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी जयदीप पटेल ने बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय पर सम्बोधित करते हुए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने, बूथ स्तर को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। पटेल ने कहा कि कार्यकर्ताओं के एकजुट होकर कार्य करने से संगठन और अधिक सशक्त बनेगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी दिया।

द्वितीय सत्र में वरिष्ठ नेता वेदप्रकाश भट्ट की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेता धीरेंद्र पांडे ने भारतीय जनता पार्टी की कार्य पद्वति पर विचार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यशैली और आगामी योजनाओं के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया

समापन सत्र में जिला उपाध्यक्ष डॉ गजेंद्रसिंह की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता मण्डल प्रभारी श्रीमति आभा अरोड़ा चोपड़ा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अभियान की जानकारी दी और जनसेवा के कार्यो में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, पूर्व विधायक बद्रीलाल सोनी, राणा विक्रम सिंह, जिला महामंत्री मयंक राजपूत, लोकतंत्र सेनानी अध्यक्ष नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी कैलाश नारायण बजाज, किसान मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह कॉंवल, अजा मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ बीएस वर्मा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष मांगीलाल सोनी व महेश शर्मा, प्रशिक्षण प्रभारी भूपेंद्र शास्त्री, मण्डल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजपाल सिंह कलारिया, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, पवन शर्मा, भाजपा नेता महावीर जैन सालरिया ,राकेश जैन खूपवाला, पूर्व पार्षद राकेश जैन मेडिकल, महामंत्री कालुसिंह नाहरखेड़ा, अंशुल जैन, विनय शर्मा, गोविंद माली सहित पार्षदगण, मण्डल पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन महामंत्री लखन सेन ने किया। जानकारी मीडिया प्रभारी दीपक जैन ने दी।

समाधान योजना में उपभोक्ताओं को सरचार्ज में बड़ी राहत

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित समाधान योजना 2025-26 के अंतर्गत बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान की जा रही है। इस योजना के तहत तीन माह से अधिक अवधि के बकायादार उपभोक्ताओं को विलंबित भुगतान अधिभार में छूट दी जा रही है। समाधान योजना की अवधि 15 मई तक बढ़ा दी गई है। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संचालन/संधारण वृत्त जबलपुर अंतर्गत अब तक कुल 60 हजार 031 उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ उठाते हुए लगभग 2.32 करोड़ रुपये के सरचार्ज में छूट प्राप्त की है। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण खुशियाल शिववंशी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित समाधान योजना की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 15 मई 2026 कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जबलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना का लाभ देने जबलपुर, पाटन एवं सिहोरा संभाग के विभिन्न ग्रामों में समाधान योजना शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई – 55 आवेदकों की शिकायतें सुनकर त्वरित निराकरण के निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय रतलाम में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार के निर्देशन में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए 55 आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त शिकायतों के संबंध में संबंधित थाना प्रभारियों से प्रकरणों की स्थिति एवं अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी ली गई। साथ ही नई प्राप्त शिकायतों पर शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई कर उनका संतोषजनक निराकरण करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक कुमार लाल द्वारा पूर्व में आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए उनकी प्रगति की भी जांच की तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में जनसुनवाई की प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रखी जाएगी, ताकि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण किया जा सके। पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाए तथा की गई कार्यवाही से आवेदकों को अवगत कराया जाए। रतलाम पुलिस द्वारा आमजन की शिकायतों के समाधान हेतु इस प्रकार की जनसुनवाई प्रक्रिया लगातार जारी रखी जा रही है, जिससे नागरिकों को त्वरित न्याय एवं सहायता प्राप्त हो सके।

जिले में किरायेदारों एवं बाहरी व्यक्तियों की जानकारी देना अनिवार्य

कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु भा.ना.सु.सं. की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आश्रम, बोर्डिंग हाउस, सर्किट हाउस, धर्मशाला, गेस्ट हाउस, रेस्ट हाउस, रिसोर्ट एवं किराए पर दी जाने वाली संपत्तियों में बाहरी व्यक्तियों द्वारा असामाजिक एवं अवांछनीय गतिविधियों में संलिप्त होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने महत्वपूर्ण प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। झाबुआ की भौगोलिक स्थिति गुजरात एवं राजस्थान की सीमा से लगी होने के कारण यहां बाहरी व्यक्तियों का आवागमन अधिक रहता है, जिससे पुलिस जांच के दौरान उनकी सही जानकारी उपलब्ध न होने पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में जिले की शांति, लोकशांति, जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था पर संभावित खतरा उत्पन्न होता है।

पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि मकान मालिकों द्वारा किरायेदारों को बिना सूचना दिए रखने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ बढ़ जाती हैं। इसे देखते हुए कलेक्टर नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर जिला दण्डाधिकारी श्री चंदरसिंह सोलंकी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) एवं (2) के अंतर्गत संपूर्ण जिले की राजस्व सीमाओं में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

आदेश के अनुसार किरायेदारों को रखने से पूर्व मकान एवं दुकान मालिकों को संबंधित थाने में विहित प्रारूप में सूचना देना अनिवार्य होगा, साथ ही आधार कार्ड, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान-पत्रों की प्रतियां सुरक्षित रखनी होंगी। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों के मामले में भी मालिकों को उन्हें नियुक्त करने से पूर्व थाने में सूचना देना और उनके पहचान-पत्र की प्रति रखना आवश्यक होगा। इसी प्रकार होटल, लॉज एवं धर्मशालाओं में ठहरने वाले सभी व्यक्तियों से पहचान-पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाना होगा तथा उनकी सूची प्रत्येक माह थाने को प्रेषित करना होगी।

ऑनलाइन शॉपिंग, होम डिलीवरी और कूरियर सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों को अपने उन कर्मचारियों की जानकारी थाने में उपलब्ध करानी होगी जो घर-घर जाकर वितरण करते हैं, साथ ही उनके पहचान-पत्र की प्रतियां भी रखना अनिवार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियों को अपने स्तर पर अथवा एजेंसी के माध्यम से नियुक्त किए गए सुरक्षा गार्डों की जानकारी भी विहित प्रारूप में थाने को उपलब्ध करानी होगी और उनके पहचान-पत्र की प्रति रखना आवश्यक होगा।

यह आदेश जनहित में जारी किया गया है और इसकी व्यक्तिगत रूप से सूचना देना संभव न होने के कारण इसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (2) के अंतर्गत एकपक्षीय रूप से लागू किया गया है। यह आदेश 03 अप्रैल 2026 से 03 जून 2026 तक प्रभावशील रहेगा। इस अवधि में आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना में आवेदन आमंत्रित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द झाबुआ ने बताया कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 अंतर्गत सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक-पिछड़ावर्ग के शिक्षित युवक/युवतियॉ जिनकी शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम कक्षा 8 वीं उत्तीर्ण तथा उम्र 18 वर्ष से 45 वर्ष, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं हो, आवेदन कर सकते हैं। योजना अंतर्गत उद्योग हेतु रू.50 हजार से 50 लाख तथा सेवा एवं व्यवसाय हेतु रू.50 हजार से 25 लाख तक का ऋण स्वंय का स्वरोजगार स्थापित करने हेतु राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। योजना में बैंक ब्याज दर पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान तथा ष्टत्नञ्जरूस्श्व ग्यारंटी फीस शत-प्रतिशत अधिकतम 7 वर्षो तक दी जाएगी। योजनान्तर्गत लाभ लेने हेतु एम पी ऑनलाइन के माध्यम से वेबसाइट https://samast.mponline.gov.in पर आवेदन करें। अनिवार्य दस्तावेज न्यूनतम 8 वीं उत्तीर्ण, मूल निवासी प्रमाणपत्र, आधार कार्ड (मोबाईल नंबर लिंक हो), पेन कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, आय प्रमाणपत्र (वार्षिक 12 लाख से कम), कोटेशन के साथ ऑन लाईन करें। अधिक जानकारी हेतु जिला व्यापार एवं उद्योग केंन्द्र, पी.जी.कॉलेज के सामने झाबुआ में सम्पर्क करें।

परिश्रम और जुनून की जीत...

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है कि सहायक प्राध्यापक एवं एनसीसी अधिकारी संतोष कुमार राठौड़ ने ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी कामठी में आयोजित तीन माह का पीएनआरसी (प्री-कमीशन्ड कोर्स फॉर एनसीसी) सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ उन्हें राष्ट्रीय कैडेट कोर में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर के रूप में लेफ्टिनेंट का पद प्राप्त हुआ है। श्री राठौड़ वर्तमान में महाविद्यालय में एनसीसी अधिकारी के रूप में सेवाएँ दे रहे हैं और विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से उनके सैन्य एवं नेतृत्व कौशल और अधिक सुदृढ़ हुए हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए छब्ब् का अर्थ है अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, नेतृत्व और देशप्रेम की पहचान।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जीएस चौहान ने श्री राठौड़ को बैज पहनाकर सम्मानित किया तथा इस कठिन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्री राठौड़ की यह सफलता सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उनके सहकर्मी एवं विद्यार्थी इस उपलब्धि से प्रेरित हुए हैं और वे एक आदर्श शिक्षक के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

लेफ्टिनेंट राठौड़ ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कामठी में आयोजित यह तीन माह का प्रशिक्षण अत्यंत कठोर, अनुशासित एवं चुनौतीपूर्ण होता है।

कलेक्टर ने आवेदक को व्हीलचेयर प्रदाय की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें प्रस्तुत कीं। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों की तथ्यात्मक जांच कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर नेहा मीना ने कु. चंचल पिता दिनेश डोडियार निवासी रामपुरिया तहसील पेटलावद जिला झाबुआ को व्हीलचेयर प्रदान की। चलन दिव्यांग व मानसिक 100 प्रतिशत दिव्यांगता है। कु. चंचल के दादाजी श्री कालु डोडियार को आज 07 अप्रैल 2026 को व्हीलचेयर प्रदान की गई। साथ ही बहु दिव्यांगता होने पर 1200 की पेंशन प्रकरण हेतु उप संचालक सामाजिक न्याय को निर्देशित किया।

जनपद पंचायत मेघनगर के ग्राम पिपलखूंटा निवासी श्री कालिया पिता लिम्बा डामोर ने शिकायत करते हुए अवगत कराया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत राशि उनके बैंक खाते में जमा होने के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति के खाते में स्थानांतरित कर दी गई है। उक्त शिकायत पर कलेक्टर द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत को निर्देशित किया गया कि इस प्रकार की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए। साथ ही जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे अन्य प्रकरणों की जांच कर उन्हें संकलित करें तथा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक (जीआरएस) को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए तथा विस्तृत जांच उपरांत दोष सिद्ध होने पर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो। आवेदक जेयन्तिलाल पिता कस्तूरचंद पंचाल निवासी ग्राम कुंदनपुर तहसील राणापुर द्वारा बताया गया कि विपक्षीगण द्वारा पुस्तेनी जमीन पर अतिक्रमण कर हथियाने के इरादे से उसमें जोर जबरजस्ती से खंबे गाड़ने तथा गरिजा घर बनाने का प्रयास करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आवेदक मानसिंह पिता कालिया अमलीयार निवासी खजुरखों फलिया छोटी भैंसा कराई तहसील रामा द्वारा बताया गया कि ग्राम में वर्तमान में पानी का समस्या है जिस कारण ग्रामवासी अधिक दूर से पानी लाते है, हेंड पम्प खनन करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आवेदक श्री बाबू पिता पांगला ताहेड निवासी ग्राम मेहंदी खेड़ा अंतरवेलिया निजी भूमि का सीमांकन फिर से सही तरीके से सीमांकन किया जाने और तीनों में बराबर जमीन का बटवारा करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत- जनसुनवाई के दौरान आर्थिक सहायता हेतु प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर द्वारा सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए दो आवेदक को 5,000 एवं दो आवेदक को 2000 की सहायता राशि स्वीकृत की गई। इनमें खुमसिंह पिता नन्दा बिलवाल निवासी कानाकुआं तहसील पेटलावद, तथा श्रीमती पुष्पा रजु मकवाना निवासी भीमपुरी तहसील थान्दला शामिल हैं।

भविष्य से भेंट अभियान के तहत करियर काउंसलिंग एवं पुस्तक वितरण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से सांदीपनि विद्यालय, टेमला में 'भविष्य से भेंट' अभियान के अंतर्गत करियर काउंसलिंग तथा निःशुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन प्रदान करना एवं आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर श्री लोकेश छापरे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुस्तकें ज्ञान का मूल स्रोत हैं तथा निरंतर अध्ययन, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री छापरे द्वारा विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया, जिससे छात्रों में विशेष उत्साह देखने को मिला। 'भविष्य से भेंट' अभियान के अंतर्गत आयोजित करियर काउंसलिंग सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विवेक सोलंकी एवं प्रो. गगन पाटीदार (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, खरगोन) ने विज्ञान, कृषि एवं कला संकाय में उपलब्ध करियर संभावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। वहीं श्री राजेंद्र पाटीदार, जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी ने तकनीक, डिजिटल शिक्षा एवं नवाचार की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी प्राप्त हुई, बल्कि समय पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध होने से उनकी शैक्षणिक तैयारी भी सशक्त हुई।

जल संरक्षण की दिशा में जनभागीदारी से मिली नई ऊर्जा

नदी-बावड़ी सफाई से लेकर प्रदेश में तीसरा स्थान, जिले की बड़ी उपलब्धि जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में सशक्त पहल

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 जिले में जनभागीदारी और प्रशासनिक समन्वय का प्रभावी उदाहरण बनकर उभरा है। भगवानपुरा विकासखंड के ग्राम थरड़पुरा में गणगौर गोमुख नदी एवं माता मंदिर स्थित बावड़ी की सामूहिक सफाई कर अभियान की जमीनी शुरुआत की गई, वहीं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले ने प्रदेश स्तरीय डैशबोर्ड में तीसरा स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों ने दो घंटे श्रमदान कर गणगौर गोमुख नदी को स्वच्छ किया तथा बावड़ी की सफाई के साथ जल रोकने के लिए पत्थर बंधान का निर्माण भी किया। इस अवसर पर संभागीय समन्वयक श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में जल संरक्षण को व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया गया।परिषद के ब्लॉक समन्वयक श्री महेश कुमार खराड़े ने बताया कि 19 मार्च से 30 जून 2026 तक चल रहे इस महाअभियान में श्रमदान, स्वच्छता और जल सहेजने की शपथ के माध्यम से जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। ग्रामीणों को सप्ताह में कम से कम दो घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने तथा गंदे पानी से फैलने वाली बीमारियों से बचाव के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, पूर्व से मौजूद जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्रोतों एवं जल वितरण प्रणालियों की नियमित साफ-सफाई तथा ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समाज और सरकार की सहभागिता से जल संरक्षण एवं संवर्धन को स्थायी आंदोलन बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में 06 अप्रैल 2026 को जिले को प्रदेश स्तरीय डैशबोर्ड में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। उज्जैन एवं खंडवा के बाद जिले की यह रैंकिंग दर्ज की गई है, जबकि कसरावद विकासखंड भी प्रदेश के शीर्ष तीन ब्लॉकों में शामिल हुआ है। अभियान अवधि में जिले में कुल 7,284 कार्य स्वीकृत हुए, जिनमें से 4,039 कार्य पूर्ण होकर लगभग 55 प्रतिशत प्रगति हासिल की गई है।

वित्तीय रूप से, लगभग 147.82 करोड़ के कार्य स्वीकृत किए गए, जिनमें से 116.05 करोड़ के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। अधिकांश कार्य मनरेगा के अंतर्गत संपादित किए गए हैं। इस अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, जल संसाधन, कृषि, उद्यानिकी, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, राजस्व, संस्कृति एवं जनसंपर्क सहित लगभग 17 विभागों द्वारा समन्वित रूप से कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार फील्ड अमले को जल गंगा संवर्धन कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वहीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मिलिंद कुमार नागदेवे द्वारा सतत मॉनिटरिंग एवं गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने वर्षा जल की प्रत्येक बूंद के संरक्षण को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे पेयजल, सिंचाई, निस्तार एवं भूजल स्तर में वृद्धि सुनिश्चित होगी। साथ ही अमृत सरोवरों का उपयोग स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मत्स्य पालन के लिए किए जाने की योजना है, जिससे आयवृद्धि के साथ स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

जनभागीदारी से सशक्त हो रहा जल संरक्षण, 'जल गंगा संवर्धन अभियान' बना जनआंदोलन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अब एक व्यापक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। 19 मार्च से प्रारंभ इस अभियान के अंतर्गत जनसहभागिता के साथ जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की जा रही है।

अभियान के तहत 85 ग्राम पंचायतों में गाद निकासी कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक 1688 ट्रॉली मिट्टी किसानों द्वारा निकालकर अपने खेतों में उपयोग की जा चुकी है। इससे जहां जल स्रोतों की क्षमता बढ़ रही है, वहीं खेतों की उर्वरता में भी वृद्धि हो रही है।

वर्ष 2025 के अपूर्ण कार्यों को भी अभियान में गति प्रदान की गई है। खेत तालाब के 1235 स्वीकृत कार्यों में से 231 कार्य, डगवेल रिचार्ज पिट के 4071 कार्यों में से 1732 कार्य तथा अमृत सरोवर के 14 कार्यों में से 01 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। शेष कार्यों को भी अभियान अवधि में पूर्ण करने की दिशा में तेजी से कार्य जारी है।

लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग द्वारा नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन हेतु 24 पंप ऑपरेटरों को प्रशिक्षित किया गया। साथ ही 353 स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता की जांच की गई। पाइप लाइनों में 33 लिकेज सुधारते हुए 39 क्षतिग्रस्त नलों को बदला गया।

जन अभियान परिषद द्वारा अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 18 संगोष्ठियां आयोजित की गईं, 50 प्रमुख स्थानों पर दीवार लेखन किया गया, 5 स्थानों पर सामूहिक श्रमदान हुआ तथा 29 सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ स्थापित किए गए।

स्कूल शिक्षा विभाग ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए 131 विद्यालयों में जल संरक्षण विषयक निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कर विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाई। साथ ही विद्यालयों में जल टंकियों की साफ-सफाई कराई गई, 15 विद्यालयों में जल गुणवत्ता परीक्षण कराया गया तथा 35 विद्यालयों में सोख्ता पिट निर्माण पूर्ण किया गया।

मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजनान्तर्गत प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में 6 अप्रैल को जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया भी उपस्थित रहीं।

बैठक में जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से चयनित ग्राम– कल्याणपुरा (विधानसभा झाबुआ), नौगांवा (विधानसभा थांदला) एवं रायपुरिया (विधानसभा पेटलावद)–को मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना अंतर्गत मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

कल्याणपुरा ग्राम के लिए आधारभूत संरचना विकास हेतु 605.83 लाख, आजीविका संवर्धन हेतु 103.60 लाख, जल संरक्षण हेतु 176.70 लाख, पंचायत सशक्तिकरण हेतु 1 लाख तथा विशेष लक्ष्य हेतु 110 लाख, इस प्रकार कुल 997.13 लाख रुपये की लागत प्रस्तावित की गई है। यह कार्य वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक चरणबद्ध रूप से पूर्ण किया जाएगा।

नौगांवा ग्राम के लिए आधारभूत संरचना हेतु 1240.77 लाख, आजीविका हेतु 94.40 लाख, जल संरक्षण हेतु 65.80 लाख तथा पंचायत सशक्तिकरण हेतु 1 लाख, इस प्रकार कुल 1411.97 लाख रुपये की लागत प्रस्तावित की गई है, जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण किए जाएंगे।

इसी प्रकार रायपुरिया क्षेत्र के लिए आधारभूत संरचना हेतु 533.60 लाख, आजीविका हेतु 114.40 लाख, जल संरक्षण हेतु 94.80 लाख, पंचायत सशक्तिकरण हेतु 1 लाख तथा विशेष लक्ष्य हेतु 110 लाख, कुल 853.80 लाख रुपये की लागत से वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे।

प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र एवं संतुलित विकास को सुनिश्चित करना है। इके अंतर्गत चयनित ग्रामों को आत्मनिर्भर, स्वच्छ, हरित, आध्यात्मिक एवं आर्थिक रूप से सुदृढ़ मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने योजना में गोपालन, दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी विकास को केंद्र में रखते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया।

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए तथा स्थानीय ग्रामीणों को योजना से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जल संरक्षण, चारागाह विकास एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ लिया जाए।

प्रभारी मंत्री ने यह भी कहा कि दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि हो सके। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग एवं जैविक कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए नवाचार अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग एवं मैदानी निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन
छत्रपति शिवाजी भवन, कोयला फाटक उज्जैन Ph-0734-2535229
-: (Online)निविदा आंमत्रण सूचना :-

विज्ञप्ति क्रं / शि-वि /2026/617 उज्जैन दिनांक :-06/04/2026

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र अ (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है, तथा ठेकेदार की (श्रेणी शी) एम.पी. गर्वमेंट व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल UADD SOR. 02.08.2021 के आधार पर सिरियल क्रं. 1 से 2 का टेण्डर फार्म मूल्य 1000/- रहेगा एवं सिरियल क्रं. 3 से 11 का टेण्डर फार्म मूल्य 2000/- रहेगा।

सिरियल क्रं. 1 से 11 की आनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 18.04.2026 रामय 17:30, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 18.04.2020 रामय 17:30 रहेगी एवं उका निविदाएँ दिनांक 21.04.2026 को खोली जावेगी।

विस्तृत निविदा आंमत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जावेगी।

क्रं.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लगत	अर्नेस्टमनी रू.	समयावधि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_412660_3	वार्ड क्रं. 09 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर ओटला निर्माण कार्य	168156/-	3365/-	30 दिन
2	2026_UAD_412668_3	वार्ड क्रं. 09 अंतर्गत जागदीश गली, तोंगा गली, हरीजन बस्ती आदि स्थानो पर चेम्बर निर्माण कार्य	168122/-	3365/-	30 दिन
3	2026_UAD_474558_3	वार्ड क्रं. 01 अतर्गत गैरवगढ़ थाने की गल्टी के पीछे सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	694263/-	6945/-	60 दिन
4	2026_UAD_480647_2	वार्ड क्रं. 08 अंतर्गत काजीपुरा में झाराड्रन एवं सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	243431/-	2435/-	30 दिन
5	2026_UAD_481168_2	वार्ड क्रं. 08 अतर्गत कृष्णा गालवीय जी की गली में सी.का. रोड एवं नाली निर्माण कार्य	324495/-	3245/-	30 दिन
6	2026_UAD_481049_2	वार्ड क्रं. 08 अंतर्गत लोहारिया जी के मकान से खलीका जी के मकान तक (पिपल वाली गली) सी.कठं. रोड एवं नाली निर्माण कार्य	454670/-	4550/-	60 दिन
7	2026_UAD_474483_3	वार्ड क्रं. 09 अतर्गत अब्दालपुरा स्थित प्राचीन नवदूर्गा माता मंदिर के सामने सीमेंट कांक्रीट एवं नाली निर्माण कार्य	508224/-	5085/-	60 दिन
8	2026_UAD_481216_2	वार्ड क्रं. 10 झुग्गी झोपडी में शीतला माता मंदिर के पास सौंदर्याकरण कार्य	253086/-	2535/-	30 दिन
9	2026_UAD_480831_2	वार्ड क्रं. 10 अंतर्गत उर्दूपुरा चौराहा से सरोज नगर चौराहा तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य	1692872/-	12700/-	90 दिन
10	2026_UAD_480789_2	वार्ड क्रं.11 अतर्गत कामदारपुरा घाटी से हेतु हुए हेलावाडी चौराहे गणेश मंदिर तक सी.कां. रोड निर्माण कार्य	1852282/-	13900/-	120 दिन
11	2025_UAD_455041_4	वाल्मिकी घाम आश्रम में कमरा मय बाथरूम निर्माण कार्य	1656838/-	12430/-	90 दिन

कार्यपालन यंत्री
झोन क्रं. 01
नगर पालिक निगम, उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

गैबी हनुमान मंदिर के बाहर मकान गिरने के बाद निगम सख्त...12 और मकान होंगे जमींदोज

निगम आयुक्त के निर्देश दिनभर चलेगी मुहिम, तुरंत हो साइड क्लियर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढाबा रोड पर पिछले कई दिनों से चल रहा चौड़ीकरण कार्य अब तेज रफ्तार पकड़ने जा रहा है। गैबी हनुमान मंदिर के बाहर एक मकान गिरने की घटना के बाद नगर निगम प्रशासन पूरी तरह हरकत में आ गया है। शुक्रवार को दिनभर अभियान चलाकर शेष बचे करीब 12 मकानों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, इस मार्ग पर लंबे समय से निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा था। कई मकान मालिकों ने अपने भवन खाली भी कर दिए थे, लेकिन निगम प्रशासन की सुस्ती के चलते कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही थी। गुरुवार को कलेक्टर के औचक निरीक्षण के बाद हालात बदले और प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने पूरे मार्ग का जायजा लिया। इसी दौरान जर्जर स्थिति में खड़ा एक मकान रात करीब 8 बजे अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के बाद प्रशासन ने तत्काल शेष जर्जर और खाली मकानों को हटाने के निर्देश जारी कर दिए। निगम आयुक्त ने स्पष्ट कहा है कि सत्यनारायण मंदिर तक जितने भी मकान खाली हो चुके हैं, उन्हें तुरंत हटाया जाए और मार्ग को पूरी तरह साइड क्लियर किया जाए। इसके लिए अपर आयुक्त संतोष टैगोर और पवन कुमार सिंह इंजीनियरों की टीम के साथ मौके पर मौजूद रहेंगे और दिनभर कार्रवाई की निगरानी करेंगे।कार्रवाई पूरी होने के बाद नाली निर्माण और सड़क चौड़ीकरण का काम तेज किया जाएगा। अभी तक करीब 50 मीटर नाली निर्माण के पत्थर ही लगाए गए थे, लेकिन काम में गति नहीं थी। अब प्रशासन ने साफ कर दिया है कि महाकाल की श्रावण मास की सवारी से पहले इस मार्ग को हर हाल में तैयार करना होगा। इस मार्ग को समय पर तैयार करना निगम प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है, लेकिन हालिया सख्ती के बाद अब काम में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्मार्ट मीटर का खर्च भी अब उपभोक्ताओं से वसूलेगी बिजली कंपनी

आयोग से मिली मंजूरी, बिजली बिल में जोड़ा जाएगा अतिरिक्त शुल्क

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर सहित प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं पर अब एक और आर्थिक बोझ बढ़ने जा रहा है। बिजली विभाग ने स्मार्ट मीटर लगाने में हो रहे खर्च को भी उपभोक्ताओं से वसूलने की तैयारी कर ली है। इसके लिए नियामक आयोग से मंजूरी मिल चुकी है, जिसके बाद यह राशि सीधे बिजली बिल में जोड़कर वसूली जाएगी।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश की तीनों बिजली कंपनियों को बिजली दरों में वृद्धि के साथ-साथ स्मार्ट मीटर के खर्च की वसूली की अनुमति भी मिल गई है। 1 अप्रैल से नया टैरिफ लागू होने के बाद उपभोक्ताओं के बिल पहले ही बढ़ चुके हैं, अब आने वाले महीनों में इसमें और इजाफा देखने को मिलेगा।

उज्जैन शहर में अब तक करीब 75 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जबकि बड़ी संख्या में मीटर अभी लगाए जाना बाकी है। विभाग का कहना है कि स्मार्ट मीटर योजना के तहत हुए करोड़ों रुपए के खर्च की भरपाई उपभोक्ताओं से ही की जाएगी। यह वसूली एकमुश्त न होकर धीरे-धीरे किस्तों में की जाएगी, जिससे हर महीने के बिल में अतिरिक्त राशि जुड़ती रहेगी। दूसरी ओर, इस फैसले को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी भी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि पहले ही बिजली दरों में बढ़ोतरी से जेब पर असर पड़ा है, ऐसे में स्मार्ट मीटर का खर्च जोड़ना अनुचित है। बिजली कंपनियों का तर्क है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा मिलेगा, बिलिंग में पारदर्शिता आएगी और बिजली चोरी व लाइन लॉस पर नियंत्रण होगा। केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत इन मीटरों को लगाया जा रहा है। हालांकि, उपभोक्ताओं का मानना है कि सुविधाओं के नाम पर बढ़ते खर्च का बोझ अंततः आम जनता पर ही डाला जा रहा है, जिससे घरेलू बजट पर असर पड़ना तय है।

हिरासत में आए 2 युवकों के पास मिला गांजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थ को लेकर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 10 दिवसीय अभियान में खाचरोद और तराना पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर गांजा बरामद किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है और इस बात का पता लगाया जा रहा है कि अवैध कारोबार में उनके साथ कौन-कौन जुड़े हुए हैं।

तराना थाना पुलिस ने बताया कि अग्रवाल वेयरहाउस के पास मादक पदार्थ लेकर आए व्यक्ति की जानकारी मिलने पर उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया, पूछताछ करने पर मुक्त व्यक्ति का नाम महबूब पिता याद अली 60 साल बड़ा बाजार कायथा होना सामने आया। उसके पास से थैली में रखा 425 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। इसी तरह खाचरोद थाना पुलिस मैं मुखबिर की सूचना पर अकबर पिता कुमार निवासी खाचरोद को गिरफ्तार कर 574 ग्राम गांजा बरामद किया पूछताछ में अकबर ने बताया कि वह गंजा नरसिंह मंदिर के पास रहने वाले अंकुश पिता शशि से लेकर आया है पुलिस ने अंकुश को भी सहआरोपी बनाकर तलाश शुरू की है। फिलहाल हिरासत में आए दोनों युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। इससे पहले भाटपचलाना थाना पुलिस स्विफ्ट कर में सवार गांजा तस्कर दीपक कुशवाहा को गिरफ्तार कर 4 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया था दीपक कुशवाहा पर 10 हजार का इनाम भी घोषित था। वह पूर्व में कई लोगों को गांजा सप्लाई कर चुका था जिनकी गिरफ्तारी होने पर दीपक का नाम सामने आया था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस - स्वास्थ्य संरक्षण की ली शपथ, 88 रोगियों का परीक्षण कर निशुल्क आयुर्वेद औषधियों का हुआ वितरण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय आयुर्वेद औषधालय करोहन द्वारा ग्राम करोहन आंगनवाड़ी क्रमांक 1 में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक ने बताया कि शिविर में 88 रोगियों की जांच कर निशुल्क आयुर्वेद औषधियों का वितरण किया गया।

शिविर में डॉ. जितेंद्र जैन आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी आयुष्मान आरोग्य मंदिर करोहन ने ग्रामीणों को बताया कि प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस संपूर्ण विश्व में एक साथ मनाया जाता है। डॉ. जैन ने बताया कि वर्ष 2026 की थीम है स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ खड़े रहे। यह थीम स्वास्थ्य में वैज्ञानिक तथ्यों पर विश्वास पुनर्स्थापित करने, साक्ष्य आधारित नीतियों और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है। आयुर्वेदिक भी शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ वैज्ञानिक मानकों के आधार पर संपूर्ण विश्व की चिकित्सा चाहे वह मनुष्य, पशु पौधे और पर्यावरण के स्वास्थ्य को एक समान मानकर स्वास्थ प्रदान करता है। आचार्य सुश्रुत के अनुसार शरीर की स्वस्थता के साथ-साथ मन की प्रसन्नता भी स्वास्थ्य में कारण होती है। डॉ. इरफान खान ने स्वास्थ्य में सामूहिक सहभागिता पर बल दिया।

शिविर का उद्घाटन सरपंच श्रीमती रूप कुंवर लाखन सिंह राठौड़ ने किया। चिकित्सा कार्य चिकित्सक द्वय ने किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए शपथ भी ली गई। शपथ के दौरान गणमान्य नागरिक, शासकीय माध्यमिक विद्यालय करोहन के संपूर्ण छात्र, अध्यापक, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुराने वाहन का नंबर अब नए वाहन पर होगा रजिस्टर

मध्यप्रदेश में जल्द लागू होगी नंबर रिटेंशन सुविधा, वाहन मालिकों को मिलेगा बड़ा फायदा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वाहन मालिकों के लिए राहत भरी खबर है। मध्यप्रदेश में लंबे समय से लंबित नंबर रिटेंशन सुविधा अब अंतिम चरण में पहुंच गई है और जल्द ही इसे लागू किया जा सकता है। इस सुविधा के शुरू होने के बाद वाहन मालिक अपने पुराने वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर सुरक्षित रख सकेंगे और नए वाहन पर उसी नंबर का उपयोग कर सकेंगे।

दरअसल, प्रदेश में 15 साल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने का अभियान चल रहा है। ऐसे में वाहन बेचने या स्क्रैप कराने पर अब तक वाहन मालिक अपने पसंदीदा नंबर से वंचित हो जाते थे। लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह समस्या खत्म हो जाएगी। परिवहन विभाग ने इस संबंध में नियमों में संशोधन का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। मंजूरी मिलते ही व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। इस सुविधा के तहत वाहन मालिक अपने पुराने वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर अपने नाम पर सुरक्षित रख सकेगा, भले ही वाहन बेच दिया जाए या स्क्रैप कर दिया जाए। इसके बाद नया वाहन खरीदने पर वही नंबर फिर से अलॉट कराया जा सकेगा। हालांकि इसके लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। नंबर रिटेंशन सुविधा का सबसे अधिक लाभ वीआईपी और पसंदीदा नंबर रखने वाले वाहन मालिकों को मिलेगा। अभी तक लोग ऐसे नंबरों के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपये तक खर्च करते हैं, लेकिन वाहन बेचने के साथ ही नंबर भी चला जाता था। नई व्यवस्था से यह नंबर हमेशा के लिए मालिक की पहचान बना रहेगा। देश के कई राज्यों जैसे पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में यह सुविधा पहले से लागू है और सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। इन राज्यों में नंबर रिटेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन और शुल्क भुगतान की व्यवस्था है, जिससे पूरी प्रक्रिया आसान हो गई है।

नंबर रिटेंशन लागू होने के बाद यह फायदे

-वाहन बिकने पर भी नंबर मालिक के नाम सुरक्षित रहेगा

-नया वाहन खरीदने पर वही नंबर दोबारा लिया जा सकेगा

-पसंदीदा और वीआईपी नंबर स्थायी पहचान बनेंगे

माकडोन में चाकू से हमला के युवक की हत्या

लाश सड़क पर रख परिजनों ने किया चक्काजाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माकडोन सोमवार मंगलवार रात ढाबे पर खाना खाने के दौरान हुए विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। सुबह परिजनों और समाजजनों द्वारा शव सड़क पर रख जाम लगा दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ मकान तोडने् की मांग शुरू कर दी। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर जाम खोला गया।

माकड़ोन के गंगा जालिया मोहल्ले में रहने वाले लखन पिता जगदीश सोलंकी 25 साल रात में तनोडिय़ा मार्ग पर बने मेघदूत ढाबा में गया था। जहां कुछ लोगों ने चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद रात में ही मृतक का शव उज्जैन लाया गया। इस बीच सुबह माकड़ोन में माहौल गरमा गया। मृतक के परिजनों और समाजजनों द्वारा पूरा बाजार बंद करा दिया गया और धरना प्रदर्शन शुरू कर आरोपियों के मकान तोडने् के साथ जल्द से जल्द गिर तारी की मांग की जाने लगी। माकड़ोन में स्थिति बिगड़ती देख एसडीएम बृजेश सक्सेना, एसडीओपी भविष्य भास्कर, तहसीलदार नवीनचंद्र कुंभकार सहित तराना, कायथा और माकड़ोन थाने का बल पहुंच गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया गया और आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसी बीच उज्जैन से पोस्टमार्टम के बाद दोपहर में शव माकड़ोन ले जाया गया जहां परिवार ने शव को बीच चौराहे पर रख धरना दे दिया। परिजनों का कहना था कि हमलावर 007 गैंग से जुड़े हुए हैं।

दोस्तों ने फोन कर बुलाया था- बताया जा रहा है कि रात 10 बजे लखन सोलंकी के पास उसके दोस्तों राकेश, मुकेश और रोहित का फोन आया था। जिन्होंने कहा कि दोस्तों का मेघदूत ढाबा आ जा हमारा विवाद हो गया है। लखन ढाबे पहुंचा तो वहां विवाद करने वालों ने उस पर चाकुओं से हमला कर दिया। लखन गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस के अनुसार चाकू से हमला करने वालों में ईश्वरसिंह राणा, वीरेन्द्रसिंह, दिलीपसिंह, मनोहरसिंह, कान्हा और कृष्णा पाल के साथ अन्य के नाम सामने आए हैं। जिनकी गिर तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने ढाबे और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज भी देखे हैं जिसमें हमलावर भागते दिखाई दे रहे हैं। जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास से जारी है।

24 घंटे में अधिकतम 1.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मौसम ने धीरे-धीरे करवट लेना शुरू कर दिया है। पिछले 24 घंटे के दौरान दिन और रात दोनों के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे गर्मी का असर अब साफ तौर पर महसूस होने लगा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रविवार की तुलना में सोमवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक से डेढ़ डिग्री तक का इजाफा हुआ है। वेधशाला से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को जहां अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, वहीं सोमवार को यह बढ़कर 34.5 डिग्री तक पहुंच गया। इसी तरह न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। रविवार सुबह का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री था, जो सोमवार को बढ़कर 19.5 डिग्री दर्ज किया गया। तापमान में इस बढ़ोतरी के चलते सुबह और रात के समय मिलने वाली हल्की ठंडक अब कम होती जा रही है। दिन के समय धूप में तेज़ी आने लगी है, जिससे लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है। खासकर दोपहर के समय घरों से बाहर निकलना अब असहज महसूस हो रहा है।

खरसौदखुर्द टोल प्लाजा पर तोड़फोड़, 8 कर्मचारी घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंगोरिया थाना क्षेत्र के उज्जैन-बदनावर फोरलेन हाईवे पर ग्राम खरसौदखुर्द टोल प्लाजा पर रात 3 युवकों ने जमकर उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ की और कर्मचारियों के साथ बेल्ट-डंडे से मारपीट की। घटनाक्रम में टोल कर्मचारी प्रेमसिंह सोलंकी, हरीश परमार, मयूर मकवाना, भरत चौहान, ओम मांडेल, धर्मेन्द्रसिंह, रितेशसिंह, नीरज घायल हो गये। तीनों युवकों ने टोल बेरियर के साथ केबिन और मेस में जमकर तोड़फोड़ की। टोल पर तोड़फोड़ की खबर मिलते ही इंगोरिया थाना प्रभारी दिपेश व्यास टीम के साथ मौके पर पहुंच गये थे। वही मारपीट और तोड़फोड़ करने वाले 3 युवकों जितेन्द्र पिता राजेन्द्र राठौर, मानसिंह पिता भंवरसिंह राजपूत निवासी भाटपचलाना और विशाल सिसौदिया निवासी बड़नगर को हिरासत में लिया। मामले में टोल कर्मचारी पुष्पेन्द्रसिंह ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि मारपीट और तोड़फोड़ करने वाले मारूति में सवार होकर आये थे। उन्होने पहले प्रेमसिंह से कहा कि मैनेजर के बारे में पूछा और मारपीट शुरू कर दी, उसके बाद केबिन में घुसे फिर मेस तक पहुंच गये। थाना प्रभारी व्यास के अनुसार मारपीट और तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 296 (ए), 324 (4), 351 (3) 3 (5) का प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

अपर कलेक्टर द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा द्वारा प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई।

उज्जैन तहसील के ग्राम गोठड़ा निवासी श्रीमती ज्योति पवार ने आवेदन देकर शिकायत की कि उनके पति के द्वारा उन्हें और उनके बेटे को घर से बेदखल कर दिया गया है तथा उनके और उनके पति के संयुक्त स्वामित्व की कृषि भूमि को बिना उनकी जानकारी के धोखे से विक्रय कर दिया गया है। उनके पति और ससुराल वालों द्वारा उन्हें भरण-पोषण के लिए सहायता भी नहीं की जा रही है। इस पर जिला विधिक सहायता अधिकारी को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

बड़नगर के ग्राम सुंदराबाद निवासी राजूबाई ने आवेदन दिया कि उन्हें शासन के द्वारा कृषि कार्य के लिए शासकीय भूमि का पट्टा प्रदान किया गया था। परंतु कुछ दिन पूर्व उनका पट्टा निरस्त कर दिया गया है। इस वजह से उन्हें जीवन यापन करने में परेशानी हो रही है। इस पर एसडीएम बड़नगर को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

तराना के ग्राम करंज निवासी बंशीलाल और अन्य निवासियों ने आवेदन दिया कि ग्राम की अजा बस्ती में टीन शेड निर्माण के कार्य स्वीकृत होने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करवाया गया है। इस वजह से बस्ती के लोगों को कोई भी कार्यक्रम करने के लिए काफी परेशानी होती है। इस पर सीईओ जनपद पंचायत तराना को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

बड़नगर के ग्राम खंडोदा के निवासियों ने आवेदन दिया कि गांव में शासकीय भूमि खेल मैदान के लिए आवंटित की गई थी। परंतु राजस्व रिकार्ड में उक्त भूमि शासकीय दर्ज है। भूमि को खेल मैदान के रूप में अंकित करवाया जाए। इस पर तहसीलदार बड़नगर को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

उज्जैन निवासी मोहनलाल सोनी ने आवेदन दिया कि घट्टिया तहसील के ग्राम खेडला में एक व्यक्ति के द्वारा वर्ष 2020 में कॉलोनी बनाई गई थी। आवेदक द्वारा इसमें एक भू खंड क्रय किया गया है। जिसकी वे वर्ष 2020 से ही टेक्स की राशि नियमानुसार भर रहे है। लेकिन कॉलोनी में विद्युत, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं है इस वजह से स्थानीय निवासियों को बहुत परेशानी हो रही है। इस पर एसडीएम घट्टिया को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया से बचाव, रोकथाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू, मलेरिया होता है, यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू के अधिकांश मामले पूरी तरह से ठीक हो जाते है और उनका प्रबंधन घर पर भी किया जा सकता है। डेंगू, मलेरिया के बचाव व नियंत्रण के लिए अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्?ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि मच्छर जनित रोगों का बचाव एवं नियंत्रण आमजन के सहयोग से आसानी से किया जा सकता है। अनेक स्थानों पर जल जमाव होने के कारण घरों में छोटे कंटेनर, टंकियों इत्यादि में एक सप्ताह से अधिक जल संग्रह करने की प्रवृत्ति के कारण डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसे रोग फैलाने करने वाले एडीज मच्छर का प्रजनन शुरू हो जाता है तथा नियमित साफ सफाई न होने के कारण इन मच्छरों के लार्वा उत्पत्ति का स्त्रोत बन जाते है। इन बीमारियों का प्रकोप अत्यधिक रहता है। ठंड देकर बुखार आना, पसीना देकर बुखार उतरना, कपकपी आना, जी मचलाना, सिर दर्द, उल्टी इत्यादि मलेरिया व डेंगू के लक्षण है। मलेरिया बीमारी के नियंत्रण के उपाय के लिये ही नहीं, बल्कि मच्छरजनित अन्य बीमारियों, जैसे-फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया का प्रभावी नियंत्रण करना है।

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है, यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू के अधिकांश मामले पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं और उनका प्रबंधन घर पर भी किया जा सकता है। डेंगू मलेरिया के बचाव व नियंत्रण के लिए अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्?ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें।

डेंगू, मलेरिया फैलाने वाले मच्छर कहां पैदा होते है- छत पर रखी पानी की खुली टंकियां। टूटे बर्तन, मटके, कुल्हड, गमलों में एकत्र जल में। बेकार फेंके हुए टायरों में एकत्र जल में। बर्तनों में एकत्र जल में। कूलर में एकत्र जल में। किचन गार्डन में रुका हुआ पानी। गमले, फूलदान, सजावट के लिए बने फव्वारे में एकत्र जल में।

ऐसे करें डेंगू से बचाव- डेंगू फैलाने वाले मच्छर रुके हुए पानी में पनपते हैं। इससे बचने के लिए टायर प्लास्टिक कवर, फूल के बर्तन, पालतू जानवरों के पानी के कटोरे आदि जैसी चीज़ों को ढकें। इन मच्छरों के प्रजनन के लिए उपलब्ध आवास को कम करने (स्थिर पानी को खाली करने से) से डेंगू बुखार की रोकथाम में सहायता मिल सकती है। विशेष रूप से घनी आबादी और भीड़ वाले स्थानों में मच्छर निरोधकों का उपयोग करने से मच्छरों को आपसे दूर रखने में मदद मिल सकती है। कुछ क्षेत्रों की यात्रा करते समय, और यहां तक कि जब आप घर पर हों, तो भी अपनी त्वचा पर मच्छर प्रतिरोधी क्रीम लगाएं। मच्छरों के काटने से बचने के लिए लंबी बाजू के कपड़े और मोटे पैंट, मोजे और सुरक्षित जूते पहनें। डेंगू बुखार की रोकथाम के आपके प्रयास में, मच्छरदानी के नीचे सोने से आपको मच्छरों के काटने से सुरक्षा मिल सकती है। रुके हुए पानी में मच्छर पनपते हैं।

केन्द्रीय जेल में बंदियों ने नाली में छुपाकर रखा था मोबाइल

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय जेल में बंदियों के पास एक मोबाइल मिलना सामने आया है। जांच में नगदी और सीम कार्ड के साथ पेन डाइव मिलना भी बताया जा रहा है। जेल प्रशासन द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे बंदी कुंदन द्वारा मोबाइल का उपयोग किया जा रहा है। उसकी निगरानी शुरू की गई और जांच में पता चला कि उसके साथ 2 बंदी सुखवींदर खनूजा और अभिषेक खत्री भी शामिल है। मंगलवार को जेल में सर्चिंग की गई, इस दौरान वस्तु गोदाम के पास नाली में छुपाकर रखा मोबाइल बरामद हो गया। उसमें सीम कार्ड थी। गोदाम के पास से कुछ नगदी और पेन डाइव भी मिलना सामने आया। तीनों ने सभी सामग्री को छुपाकर रखा था। जेल अधीक्षक के अनुसार मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मोबाइल कुंदन के भाई द्वारा लाना सामने आ रहा है। वहीं नगदी के साथ सीम कार्ड के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। तीनों बंदियों को मिलने वाली पैरोल अवधि रोकने का पत्र मुख्यालय को भेजा जायेगा। विदित हो कि कुछ दिन पहले ही जेल प्रशासन ने एक प्रहरी को पकड़ा था, जिसके पास से जर्दा पाऊच बरामद किये गये थे। जिसके बाद से निगरानी बढ़ा दी गई थी। संभावना है कि जांच में कुछ ओर मामले सामने आ सकते है।